from the Government when the Kuldeep Singh Commission Report is going to be placed on the Table of the House.

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : वाइस चेयरमैन साहिब, कल राज्य सभा की जो टी०वी० की रिपोर्टिंग हुई है उसमें कांग्रेस के जो मेम्बर बोले थे उनका नाम नहीं लिया गया है। कई लोगों के नाम लिये गये, लेकिन हमारा नाम नहीं लिया गया और जो कुछ कहा गया वह मेन्स को बदल कर कहा गया। हमारे कई मेम्बर बोले, लेकिन मेरा, श्री मदन भाटिया और डा० रत्नाकर पाण्डेय का नाम नहीं लिया गया। इन तीन आदमियों के नाम नहीं लिये गये और मेन्स को बदल कर रिपोर्टिंग की गई। क्या आप इसको देखेंगे कि ऐसा क्यों हुआ है ?

श्री पी० उपेन्द्र : मैं इंक्वायरी करूंगा।

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): The reporting of the proceedings of the Rajya Sabha in the TV news bulletin particularly Sansad Samachar is not fair and accurate. The arguments that are given in favour of the Government only are highlighted. The arguments given by treasury. benches are put in prominently. Arguments of the opposition are not highlighted at all. And all that they do is just to give names of opposition members and not what they say. Some lines do not give names even as mentioned just now. It is not fair that Government benches statements are given while others are not given. Topsyturvy and slanted reporting is taking place. Will the Minister kindly look into it? *(Interruptions)*

SHRI P. UPENDRA: 'Parliament News' and 'Sansad Samachar' are written by some Press correspondents who are assigned this task. They are not done by the Doordarshan staff. If there is any outside reporting. I will inquire into it. *(Interruptions)*

SHRI SURESH KALMADI: There is censoring. . .*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M.A. BABY): Please sit down. You have raised the issue.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इस सदन के सदस्यों के साथ काफी भेदभाव होते है। रिपोर्टर आपके ऊपर नहीं है। ऐसे रिपोर्टरों को रखकर अन्याय न करें। सही सही चीजें दे, ऐसा आश्वासन दिया जाय।

SHRI KAPIL VERMA: You select people who are objective people. Correct reporting must take place, fair and impartial *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Shall we take up Special Mentions or. . .*(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): Communal situation.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): What has happened to the Resolution on the Babri Masjid?. . .*(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M.A. BABY): Already many Members have spoken on the issue.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: What hapened to the Mandal Commission *(Interruptions)*

RE: COMMUNAL TENSION IN DIFFERENT PARTS OF THE COUNTRY—Contd.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभापति महोदय, करनैलगंज में जो घटनायें घट रही हैं, इसकी शुरुआत कहां से हुई, इसको सोचने की जरूरत है। आज जब मुल्क को एक होकर देश की असुविधाओं, देश की विपदाओं का सामना करना चाहिये, उस वक्त पर मुल्क बंट रहा है साम्प्रदायिकता के नाम पर, जातिवाद के नाम पर। उपसभापति महोदय, मैं सिर्फ आपको एक घटना बताता हूं कि

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया]

आडवाणी जी का वह रथ जब जूनागढ़ के जैतपुर इलाके से गुजर रहा था तो उस रथ का स्वागत करने के लिये जो भीड़ इकट्ठी थी, उसमें चार नौजवानों ने तलवार से अपनी उंगली काटकर एक प्याला खून भर डाला और उसको भरकर रखा। जब आडवाणी जी वहां जैतपुर में पहुंचे तो उनकी खून से भरी हुई प्याली से आरती उतारी गई। उपसभापति महोदया, जब यह मैसेज दिया जा रहा हो...

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: ऐसा कुछ नहीं हुआ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: अटल बिहारी वाजपेयी जी, अगर आप ऐसा कहते हैं कि यह गलत है तो मैं कहता हूं कि उन अखबार वालों को पकड़ो जो आपके साथ चल रहे हैं और जो ऐसा लिख रहे हैं। तरह-तरह की अखबारों के माध्यम से हमें खबर मिल रही

4.00 P.M. हैं। अगर वह झूठ है, तो उसको ... कंट्राडिक्ट कीजिए। कल का एडिटोरियल छपा है और जैतपुर में खून के प्याले से उनकी आरती उतारी जा रही है।

अहमदाबाद में जब आडवाणी जी स्टेज पर भाषण दे रहे थे, उस वक्त एक नौजवान त्रिशूल लेकर स्टेज पर चढ़ा। उसने उंगली पर उसे भौंका और उसने उनका तिलक लगा कर नारा लगाया कि—

जो हमसे टकरायेगा,
वह सीधा ऊपर जाएगा।

यह नारे लग रहे हैं। आप आखिर इस रथ-यात्रा से कोई सद्भावना का मैसेज देना चाहते हैं। कहां राम चन्द्र भगवान ने कहा था कि तुम खून की यात्रा करो? कहां राम भगवान ने कहा था कि साहब खून से रंग कर तुम इस तरह की होली खेलो?

कहां भगवान राम चन्द्र ने कहा था कि तुम पूरे समाज को और पूरे मुल्क को इस तरह से बांट दो?

यह वह राम चन्द्र भगवान है, जिसने एक धोबी के कहने पर सीताजी को भी छोड़ दिया था। वह इतना जम्हूरियत पर विश्वास करने वाला राजा और भगवान था जिसको कि मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उस राम के नाम पर आप क्या करने जा रहे है वह सोचिये?

आज वह हालात हैं कि जिस जमीन पर पैदावार न हो सके, उसे बंजर कहते हैं, जो नारी संतान को जन्म न दे सके, उसे बांझ कहते हैं और जिस मुल्क में अकलियत न रह सके उसे हिंदु राष्ट्र कहते हैं। वैसा हिंदू राष्ट्र बनने की कल्पना की जा रही है।

शर्म आती है और उस पर भाषण दिये जाते हैं और अपने आपको ओजस्वी कहलाते हैं, अपने आपको राष्ट्रवादी कहलाते हैं। इस तरह से मुल्क को बांटने की कोशिश चल रही है। आज जब राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद का मसला है, मैं भी कह सकता था कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के वंशज थे गुरु गोविंद सिंह, मर्यादा पुरुषोत्तम राम भगवान के वंशज थे गुरु नानक—मैं भी कह सकता था कि लव और कुश की औलाद गुरु गोविन्द सिंह और गुरु नानक—मैं भी मंदिर बनाऊंगा और मस्जिद तोड़ कर मंदिर बनाऊंगा। पर थे उसी गुरु गोविंद सिंह के पिता गुरु तेग बहादुर का भी सिख हूं, जिस सिख ने जनेऊ और तिलक के लिए और बोदियों के लिए अपनी कुर्बानी दी थी।

आज जिस तरह समाज में हिंदू और मुसलमान में सांप्रदायिकता की भावना भड़काई जा रही है धिक्कार है और असक्षम है यह सरकार यह नपुंसक सरकार, यह बिना रीढ़ की हड्डी वाली सरकार जोकि दो बैसाखियों पर खड़ी है और उसकी बैसाखियां लड़खड़ा रही हैं और आज यह रोक नहीं सकती कि इस तरह का खून-खराबा न हो।

इस रथ-यात्रा को अगर नही रोका गया तो यह रथ-यात्रा रक्त यात्रा में बदलेगी और मुझे नेता सुभाष चन्द्र बोस जी का वह नारा याद आ रहा है-- वह कहते थे कि--तुम मुझे खून दो, मैं आज दी दूंगा। पर आडवाणी जी कह रहे हैं कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें राम मन्दिर दूंगा। यह तमाशा किया जा रहा है।

उपसभाध्यक्ष जी, आज मुल्क किधर जा रहा है? कितनी दर्दनाक चीज है। कल एक नौजवान लड़की ने फांसी का फंदा लगा कर आत्म-हत्या की पंजाब में और मरने के पहले एक नोट में उसने लिखा कि हमारी दोनों आंखें निकाल कर विश्वनाथ प्रताप सिंह को भेज दी जाएं क्यों कि वह आंखों का अंधा हो गया है। उसे कम से कम इन आंखों से भारत के हालात तो सही नजर आयेंगे। शर्म आनी चाहिए और कितना खून चाहिए आपको इस मुल्क को तोड़ने के लिए जिसकी एक-एक ईट सजाई है उन शहीदों ने, उन संतों ने, उन महात्माओं ने उनके ऊपर ध्यान दिया जाए।

भगवान राम चन्द्र ने और लक्ष्मण ने कब कहा था कि इस तरह से मेरा घर बनाना, इस तरह से लड़ाई लगाना?

भगवान राम ने रावण से लड़ने के लिए किस-किस से दोस्ती की थी, उस रामायण को भी जरा ध्यान से पढ़ लें और उस राम भगवान का मंदिर बनाने के लिए आज समाज में दरारें डाली जा रही हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम : दोस्ती करने के लिए गये है। आप कुछ और.. (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : आप भी जन संघ है क्या?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : यह दोस्ती है कि खून के प्याले अर्पित किये जा रहे हैं और नारे लगाये जा रहे हैं।

एक माननीय सदस्य : यह गलत बात है।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : गलत बात है, तो उन पत्रकारों को कहिए, जिनको साथ में लेकर रथयात्रा में गये हो और पूरा हिंदुस्तान उन पत्रकारों की अखबारें पढ़ रहा है।

श्री राजूभाई ए० परमार : रक्त से तिलक किया था, वह तो हमने भी सुना और देखा है। रक्त से तिलक तो करते हैं यह हमने देखा है।

उपसभाध्यक्ष (श्री एम०ए० बेबी) : प्लीज़ कन्क्लूड।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारा मुल्क जिसके बारे में बड़े-बड़े लोग कह गए कि सब से अच्छा यह गुलिस्तान है। "सारे जहां से अच्छा है हिन्दुस्तान हमारा" इस गुलिस्तान के बारे में कहूंगा, गुलिस्तान किसको कहते है? गुलिस्तान उसको कहते हैं जिसमें तरह-तरह के फूल खिलते हों, रंग-बिरंगे फूल खिलते हों और हर किस्म के फूल खिलते हों। पर यहां गुलिस्तान को उजाड़ कर खेती करने की बात सोची जा रही है। यहां सिर्फ एक तरह के फूल खिलेंगे, एक तरह की ही उपज होगी, हिन्दू राष्ट्र कायम किया जाएगा। वहां और कोई फूल नहीं खिल सकता। उपसभाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जिस मुल्क में अकलियत ही न रह सके, वैसे एक हिन्दू राष्ट्र की कल्पना जो भारतीय जनता पार्टी कर रही है उसे रोकने की जरूरत हैं। मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री महोदय से गुजारिश करूंगा या तो इस रक्त रंजित यात्रा को रोकें या खुद रुक जाएं और इस देश की 85 करोड़ जनता आने आप पर भरोसा कर लेगी कि अगर विरोध करना है तो हम ही कर सकेंगे अन्यथा सरकार पर कोई भरोसा नहीं है। धन्यवाद।

मौलाना ओबेदुल्ला खां आजमी : शुक्रिया वाइस चेयर मैन साहब, मैं आज

[मौलाना आबेदुल्ला खां आजमी]

दिन भर अपने मौअज़्ज़िज़ मेंबरानें पार्लियामेंट से करनैलगंज के फसाद गोंडा के सैंसटिव हालात और मुल्क में चल रही यह आडवाणी जी की यात्रा के पीछे छिपे हुए हजारों-लाखों फसादात के बारे में सुन रहा हूं। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान की आजादी का जो ख्वाब इस मुल्क के हिन्दुओं और मुसलमानों ने देखा था शहीद अशफाक उल्ला खां और शहीद राम प्रसाद बिस्मिल जो कुरान और गीता को अपने गले की माला बना कर हिन्दुस्तान की आजादी, हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए, देश की मर्यादा पर शहीद होने का फक्र हासिल कर चुके हैं क्या उनकी रूहों को, उनकी आत्माओं को इस हिन्दुओं का, मुसलमानों का, हिन्दुस्तानियों के खून को पानी की तरह बहाकर क्या उनकी आत्माओं को खुश रखेंगे या उन्होंने जिस अजीम मकसद के लिए इस मुल्क की एकता, अखंडता और इस मुल्क की तरक्की का ख्वाब देखा था उस मकसद की तकमील के लिए हम हिन्दू-मुस्लिम नफरत को मोहब्बत में बदल कर हिन्दुस्तान की तरक्की और हिन्दुस्तान के तहफुज़ के लिए कदम आगे बढ़ायेंगे ? मिस्टर वाइस-चेयरमैन साहब, आज यह मसला बहुत ज्यादा गंभीर बना है कि हम से इस मुल्क की अखंडता और एकता का क्या होगा ? हमारी जितनी पार्टियां हैं चाहे वह भा० ज पा० हो, कांग्रेस हो, तेलुगुदेशम हो, जनता दल हो, सी पी०एम० और सी० पी० आई० हो, मुल्क की जितनी भी पार्टियां हैं सब इस मसले पर एक विचार रखती हैं कि देश की एकता और देश की अखंडता पर किसी तरह का हरफ नहीं आना चाहिए और हमारी जो जाति ख्यालात हैं उन ख्यालात की कुर्बानी दे कर भी अगर हिन्दुस्तान की अस्मत को हम बचा सकते हों तो ख्यालात तो बहुत दूर की बात है हमारे पूर्वजों ने अपने वजूद की कुर्बानी दे करके इस देश को बचाया, इस देश की एकता को बचाया। इस देश की हिन्दू-मुस्लिम मोहब्बत को बचाया। जामा मस्जिद में गांधी जी की तकरीर और मंदिर में मौलाना मो० अली जौहर की तकरीर हिन्दुस्तान के हिन्दुओं और मुसलमानों की मोहब्बत की एक ऐसी शानदार मिसाल है जिस मिसाल को रौशनी में आज भी हम अपने हिन्दू भाइयों के साथ सैकुलरिजम की बका के लिए और हमारा हिन्दू भाई मुस्लिम भाइयों के साथ हिन्दुस्तान की एकता और अखंडता के लिए अपना कदम आगे बढ़ा कर इस मुल्क को तहफुज़ दे सकता है। मुझे बहुत ही दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि करनैलगंज में 29 सितम्बर को सारी दुर्गा पूजा की मूर्तियां पानी में तैराई जा चुकी थीं जाहिद करनैलगंज था जिसमें मूर्तियां रोकी गई और उनको तैराया नहीं गया। 30 तारीख को वहां कोई भी पुलिस, थाने की पुलिस के अलावा नहीं लगाई गई। सिर्फ 22 किलोमीटर की दूरी थी करनैलगंज से गौंडा शहर की और कलेक्टर को भी मालूम था कि यहां तनाव है और एस०पी० को भी मालूम था कि तनाव है। 29 तारीख की रात में 11 बजे से लेकर 2 बजे तक बी० जे०पी० के एक्स एम०पी० मि० सचदेव सिंह वहां के एस०पी० के साथ बात करते रहे। वहां जिस वक्त फसादात हुआ तो 3 घंटे तक दंगाइयों को खुली छूट दी गयी। कहीं पुलिस का पता नहीं था। तीन घंटे के बाद कलेक्टर और कप्तान आए। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि उस सूबे में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए जिस तरह से कुर्बानियों का मुजाहरा वे कर रहे हैं, जिस तरह वह आदमी दिन-रात अपने वजूद को खतरे में डालकर हिंदुस्तान की एकता और अखंडता के लिए, हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए लड़ायी लड़ रहा है— बजाय इसके कि उस आदमी की कद्र होनी चाहिए थी मगर फिरकापरस्त दंगाइयों ने और दंगाइयों की सियासी पार्टियों ने उन तमाम फिरकापरस्तों के साथ मिलकर उस आदमी को, जो आज हिंदुस्तान की धरती पर सेकुलरिज्म का निशान और सिंबल बना हुआ है, तबाह कर देने और जान से मार डालने की धमकियां दी हैं।

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हजारों लाग तबाह और बर्बाद होगए है, सैकड़ों लाग मारे गए, 15 करोड़ से ज्यादा की संपत्त फुक गया है। यह किसका नुकसान है, गौर से सोचिए, समझिए और अपने जमीर से फैसला लीजिए। यह हिंदू-मुसलमान का नुकसान नहीं है, यह भारत का नुकसान है, हिन्दुस्तान का नुकसान है। हिंदू-मुसलमान नहीं मरता, हिंदुस्तान मरता है। हिंदु-मुसलमान की संपत्ति नहीं फुकती, हिंदुस्तान की संपत्ति फुकती है। मैं बहरहाल अपने हाउस मे मोहतरम् मेंबरान के सामने यह बात कह चुका है, आज फिर कह रहा हूं कि अभी वक्त है, हिंदुस्तान को बचा लीजिए। अभी वक्त है देश को बंटवारे मे बचाइए। पंजाब मे थोड़े-से लोग गुमराह हुए तो आज तक हिंसा चल रहा है, अहिंसा हम नहीं ला सके हैं। हमने पंजाब के लिए बिल पास किया है। मैं कहना चाहता हूं कि हर 6 महीने बाद हम पंजाब के लिए यह बिल क्यों पास कर रहे है? सिर्फ इसलिए पास कर रहे है कि हम वहां हालात को नॉर्मल नहीं पाते, इलेक्शन की पोजीशन में हालात नहीं पाते। अगर इस तरह की रथ यात्रा निकलती रही और इसी तरह से हिंदु-मुस्लिम जज्बात को भड़काया जाता रहा तो मुझे डर है कि कल कहीं पूरा हिंदुस्तान पंजाब न बन जाय। मुझे यह डर है कि कल पूरा हिंदुस्तान काश्मीर न बन जाय। काश्मीर में थोड़े-से लोग सिरफिरे हो गए हैं तो किस तरह हुकूमत को नाको-चने चबाने पड़ रहे हैं। पंजाब में थोड़े-से लोगों ने बगावत का परचम बुलंद किया है तो किस तरह हुकूमत तबाही और बर्बादी से निपटने में अपने वजूद को लरजा होते हुए देख रही है। यह इतना बड़ा भारतवर्ष, जिस भारतवर्ष के तहोफुस के लिए मौलाना आजाद ने जिना के कुरफरेब के नारे से हिंदुस्तान के मुसलमानों को निकाल लिया था, मौलाना आजाद ने हिन्दुस्तान के मुसलमानों से इस दिल्ली की सरजमीं पर कहा था कि यह तुम्हारा देश है। इस धरती पर तुम्हारा जमीरो-खमीर तैयार हुआ है। तुम अपना देश छोड़कर कहां जाओगे। जिना ने अपने नारे में बहुत लोगों को बहका लिया था, मगर मौलाना आजाद की जुबान के साथ इस मुल्क का करोड़ों-करोड़ मुसलमान अपने हिंदू भाइयों पर भरोसा करते हुए इस मुल्क में सद्भावना बना रहा था। मुझे अफसोस है कि आज दोनों तबकों को इस तरह बांटा जा रहा है जैसे लगता है कि किसी दूसरे मुल्क से जंग हो रही है। जब इस तरह के जज्बात भड़काए जाएंगे तो मैं आपसे कहना चाहता हूं और हुकूमत से पूछना चाहता हूं कि अभी तो एक करनैलगंज बना था, अगर मिस्टर आडवाणी इसी तरह अपनी रथ यात्रा लेकर यू.पी. में दाखिल होते हैं तो हजारों करनैलगंज बनेगे। मैं इस खतरे से हाउस और इस मोअज्जज पार्लियामेंट को आगाह कर रहा हूं। इसलिए हुकूमत इस सिलसिले में सेंसेटिव होकर कदम उठाए वरना कल हिंदुस्तान की तारीख इस तरह की रथ यात्राओं से खून के रंग में रंग जाएगी और आनेवाले दौर का इतिहास और आनेवाला दौर हमारे देश के हुक्मरानों को, इन पार्टियों को माफ नहीं करेगा।

इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सारे लोग संजीदगी के साथ इस मसले पर सोचें और खुफीसियत **(समय की घंटी)** मे मैं मोहतरम् अटल बिहारी वाजपेयी जी से गुजारिश करूंगा जिनके लिए मेरे दिल में बेपनाह इज्जत भी है और जिनके ऊंचे विचारों से हिंदुस्तान का मुसलमान बहुत मुतमचीन भी है। मैं एक बात हाउस में साफ कहना चाहता हूं कि हिंदुस्तान के मुसलमानों के दिलों में वाजपेयी जी के लिए बेपनाह इज्जत है और वाजपेयी जी ने जब भी ऐसा मौका आया है बहुत खुलकर सेकुलरिज्म को बचाने की राहों पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। इसलिए आडवाणी जी ने जो रथ यात्रा निकाली है, मैं वाजपेयी जी से कहूंगा कि मैं आप की हिम्मत को आवाज दे रहा हूं,

[मौलाना ओबैदुल्ला खां आजमी]

आपको जुर्रत को मैं आवाज दे रहा हूं, जिस जुर्रत के जरिए आपने जब भी ऐसा माहौल पैदा हुआ है..जो हालात को बचाने में नुमायां कामयाबी हासिल की है। मैं आज इस हाउस में यह अर्ज करना चाहूंगा और आडवाणी जी से भी अपील करूंगा कि आडवाणी जी, बहुत हो चुकी खून की होली, अब बंद करवाइए। बहुत लुट चुका है हिंदुस्तान, हिंदू-मुस्लिम एकता के हिंदुस्तान, गांधी के ख्वाबों के हिंदुस्तान, मौलाना आजाद की खुशी और मुसरतों के हिंदुस्तान को फिर से बनाया जाए। अमरीका हमें तबाह करने के लिए हमारी चौखट के करीब आकर के सऊदी-अरबिया में बैठा हुआ है। दुनियां की मुखर ताकतें हिंदुस्तान की तरक्की के वजूद को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। हमारा देश इतना महान है कि सूई हम बनाते हैं, हवाई-जहाज हम बनाते हैं, पेट्रोल को दरियाफ्त में हम लगे हुए हैं। आज अपने पेट पर पत्थर बांध कर भी हिंदुस्तान को अगर आसमान पर पहुंचाना होगा तो हिंदुस्तान का रहने वाला नागरिक अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए हर बलिदान का जज्बा लेकर खड़ा हुआ है। ऐसे हिंदुस्तानियों को मत कटवाइए, ऐसे हिंदुस्तान प्रेमी भारतीय नागरिकों को मत बांटिए। वक्त है कि इस रथ-यात्रा को रोक दीजिए और भारत में सही ढंग से सेकुलरिज्म को आगे बढ़ाने के लिए इस मुल्क के नन्हे नन्हे बच्चों पर रहम कीजिए, इस मुल्क की औरतों पर रहम कीजिए, उन बहनों पर रहम कीजिए, जो बहनें फिरका-वाराना फंसादात में लूटी जाती हैं, भारत की संपत्ति पर रहम कीजिए, जो संपत्ति इस देश के उज्जवल मुस्त-कबिल की महफूज की जमानत है। मेरी गुजारिश है कि इन फंसादात का सिलसिला खतम कीजिए, कोई रास्ता निकालिए और हुकूमत से मैं कहना चाहूंगा कि एकदम मर्दानगी के साथ हुकूमत फैसला ले, वोटों की बुनियाद पर या पार्टी की बुनियाद पर देश नहीं चलाया जाता, देश ईमानदारी की बुनियाद पर चलाया जाता है, सच्चाई की बुनियाद पर चलाया जाता है। बचाइए देश को और रोक दीजिए यह रथ यात्रा। मेरी गुजारिश है आपसे ताकि मुल्क सुख और चैन के साथ रहे। धन्यवाद।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی

(اتر پردیش) : شکریہ وائس چیئرمین صاحب - میں آج دن بھر اپنے معزز ممبران پارلیمنٹ سے کرنیل انمیج کے دماد کونڈہ کے میاسیتو حالات اور میں سن رہا ہوں یہ اڈوانی جی کی یاترا کے پیچھے چھپے ہوئے ہزاروں لاکھوں فسادات کے بارے میں سن رہا ہوں - میں یہ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ہندوستان کی آزادی کا جو خواب اس ملک کے ہندوؤں اور مسلمانوں نے دیکھا تھا شہید اشفاق اللہ خاں اور شہید رام پرساد بسمل جو قرآن اور گیتا کو اپنے گلے

†[ ] Transliteration in Arabic script.

کی مالا بناکر ہندوستان کی آزادی ور ہندو مسلم ایکتا کیلئے دیش کی مریادا پر شہید ہونے کا فخر حاصل کر چکے ہیں - کیا انکی روحوں کو - انکی آتماؤں کو ہم خوش رکھیں گے - یا انہوں نے جس عظیم مقصد کیلئے اس ملک کی ایکتا - اکھنڈتا اور اس ملک کی ترقی کا خواب دیکھا تھا اس مقصد کی تکمیل کیلئے ہم ہندو مسلم ایکتا او محبت میں بدل ہندوستان کی ترقی اور ہندوستان کے تحفظ کیلئے قدم آگے بڑھائیں گے -

مسٹر وائس چیر مین صاحب - آج یہ مسئلہ بہت زیادہ گمبھیر بنا ہے کہ ہمارے اس ملک کی اکھنڈتا اور ایکتا کا کیا ہوگا - ہماری جتنی پارٹیاں ہیں چاہے بھاجپا ہو - کانگریس ہو - تیلگودیشم ہو - جنتا دل ہو - سی - پی - ایم ہو اور سی - پی - آئی - ہو ملک کی جتنی بھی پارٹیاں ہیں - سب اس مسئلے پر ایک وچار رکھتی ہیں کہ دیش کی ایکتا اور دیش کی ایکتا اکھنڈتا پر کسی طرح کا حرف نہیں آنا چاہئیے اور ہمارے جو ذاتی خیالات ہیں ان خیالات کی قربانی دیکر بھی اگر ہندوستان کی عصمت کو ہم بچا سکتے ہوں تو بہت دور کی بات ہے ہمارے پوروجوں نے اپنے وجود کی قربانی دے کرکے اس دیش کو بچایا - اس دیش کی ایکتا کو بچایا - اس دیش کی ہندو مسلم محبت کو بچایا - جامع مسجد میں گاندھی جی تقریر اور مندر میں مولانا محمد جوہر کی تقریر ہندوستان کے ہندوؤں اور مسلمانوں کی محبت کی ایک ایسی شاندار مثال ہے - جس مثال کی روشنی میں آج بھی ہم اپنے ہندو بھائیوں کے ساتھ سیکولرزم کی بقا کیلئے اور ہمارا ہندو بھائی مسلم بھائیوں کے ساتھ ہندوستان کی ایکتا اور اکھنڈتا کیلئے اپنا قدم آگے بڑھاکر اس ملک کو تحفظ دے سکتا ہے - مجھے بہت ہی دکھ کے ساتھ کہنا پڑ رہا ہے یہ کیرل گنج میں ۲۹ ستمبر کو ساری درگا پوجا کی مورتیاں پانی میں تیوالی جا چکی تھیں واحد کیرل گنج تھا جس میں مورتیاں روکی گئیں اور انکو تیروایا نہیں گیا- ۲۰ تاریخ کو وہاں کوئی بھی پولیس تھانے کی پولیس کے علاوہ نہیں لگائی گئی -

صرف ۲۲ کلومیٹر کی دوری تھی کیرل گنج سے گونڈہ شہر کی اور کلکٹر کو بھی معلوم تھا کہ یہ تناؤ اور ایس - ایس - پی - کو بھی معلوم تھا کہ تناؤ ہے - ۲۹ تاریخ

[مولانا عبداللہ خان اعظمی]

کی رات میں - ۱۱ بجے سے لیکر ۲ بجے رات تک بی - جے - پی - مسٹر سچدیو سنگھ وہاں کے ایس پی - کے ساتھ بات کرتے رہے - وہاں جس وقت فساد ہوا تو ۳ گھنٹے تک دنگائیوں کو کھلی چھوٹ دی گئی - کہیں پولیس کا پتا نہیں تھا - تین گھنٹے کے بعد کلکٹر اور کپتان آئے - میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں کہ اس صوبے میں ہندو مسلم ایکتا کیلئے جس طرح سے قربانیوں کا مظاہرہ وہ کر رہے ہیں - جس طرح وہ آدمی دن رات اپنے وجود کو خطرے میں ڈالکر ہندوستان کی ایکتا اور اکھنڈتا کی کیلئے- ہندو مسلم ایکتا کیلئے لڑائی لڑ رہا ہے - بجائے اس کے کہ اس آدمی کی قدر ہونی چاہئے تھی - مگر فرقہ پرستوں کے ہاتھ ملاکر اس آدمی کو جو آج ہندوستان کی دھرتی پر سیکولرازم کا نشان اور سمبل بنا ہوا ہے - تباہ کر دینے اور جان سے مار ڈالنے کی دھمکیاں دی ہیں -

میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں کہ کہ ہزاروں لوکوں لوگ تباہ اور برباد ہو گئے ہیں - سینکڑوں لوگ مارے گئے - ۱۵ کروڑ سے زیادہ کی سمپتی پھونک دی گئی ہے - یہ کسکا نقصان ہوا - غور سے سوچئے - سمجھئے اور اپنے ضمیر سے فیصلہ لیجئے - یہ ہندو مسلمان کا نقصان نہیں ہے - یہ بھارت کا نقصان ہے - ہندوستان کا نقصان ہے - ہندو مسلمان نہیں مرتا ہے - ہندوستانی مرتا ہے - ہندو مسلمان کی سمپتی نہیں پھنکتی ہے - ہندوستان کی سمپتی پھنکتی ہے - میں بارہا اپنے ہاؤس میں محترم ممبران کے سامنے یہ بات کہہ چکا ہوں - آج پھر کہہ رہا ہوں کہ ابھی وقت ہے ہندوستان کو بچا لیجئے - ابھی وقت ہے دیش کو بٹوارے سے بچائیے- پنجاب میں تھوڑے سے لوگ گمراہ ہوئے - تو آج تک ہنسا چل رہی ہے - اہنسا ہم نہیں لا سکے ہیں ہم نے پنجاب کیلئے بل پاس کیا ہے- میں کہنا چاہتا ہوں کہ ہر چھ مہینے بعد ہم پنجاب کیلئے یہ بل کیوں پاس کر رہے ہیں - صرف اسلئے پاس کر رہے ہیں - کہ ہم وہاں کے حالات کو نارمل نہیں پاتے- الیکشن کی پوزیشن میں حالات نہیں پاتے - اگر اس طرح کی رتھ یاترا نکلتی رہی - اور اس طرح سے ہندو مسلم جذبات کو بھڑکایا جاتا رہا تو مجھے ڈر ہے کہ کل کہیں پورا ہندوستان پنجاب نہ بن جائے - مجھے یہ ڈر ہے کہ کل پورا ہندوستان کشمیر نہ

بن جائے - کشمیر میں تھوڑے سے لوگ سر پھرے ہو گئے ہیں - تو کس طرح حکومت کو ناکوں چنے چبانے پڑ رہے ہیں - پنجاب میں تھوڑے سے لوگوں نے بغاوت کا پرچم بلند کیا ہے - تو کس طرح حکومت تباہی اور بربادی سے نپٹنے میں اپنے وجود کو لرزاں ہوتے دیکھ رہی ہے - اتنا بڑا بھارت ورش - جس بھارت ورش کے تحفظ کیلئے مولانا آزاد نے جناح کے پر فریب نعرے سے ہندوستانی مسلمانوں کو نکالا تھا - مولانا آزاد نے ہندوستان کے مسلمانوں سے اس دلی کی سر زمین پر کہا تھا کہ یہ تمہارا دیش ہے - اس دھرتی پر تمہارا ضمیر و خمیر تیار ہوا ہے - تم اپنا دیش چھوڑ کر کہاں جاؤگے - جناح نے اپنے نعرے میں بہت سے لوگوں کو بہکا لیا تھا - مگر مولانا آزاد کی زبان کے ساتھ اس ملک کا کروڑہا مسلمان اپنے ہندو بھائیوں پر بھروسہ کرتے ہوئے اس میں سد بھاونا بنا رہا تھا - مجھے افسوس ہے کہ آج دونوں طبقوں کو اس طرح بانٹا جا رہا ہے - جیسے لگتا ہے کہ کسی دوسرے ملک سے جنگ ہو رہی ہے - جب ہم اس طرح کے جذبات بھڑکائیں گے - تو میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں اور حکومت سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ ابھی تو ایک کیول گنج بنا تھا اگر مسٹر ایڈوانی اسی طرح اپنی رتھ یاترا لیکر یو - پی - میں داخل ہوتے ہیں تو ہزاروں کیول گنج بنیں گے - میں اس خطرے سے ہاؤس کو اور معزز پارلیمنٹ کو آگاہ کر رہا ہوں - اسلئے حکومت اس سلسلہ میں سینسیٹیو ہوکر قدم اٹھائے - ورنہ کل ہندوستان کی تاریخ اس طرح کی رتھ یاتراؤں سے خون کے رنگ میں رنگ جائے گی - اور آنے والے دور کا اتہاس اور آنے والا دور ہمارے دیش کے حکمرانوں کو ان پارٹیوں کو معاف نہیں کرے گا -

اسلئے میں کہنا چاہتا ہوں کہ سارے لوگ سنجیدگی کے ساتھ اس مسئلے پر سوچیں اور خصوصیت (وقت کی گھنٹی) سے میں محترم اٹل بہاری واجپئی جی سے گزارش کروں گا - جن کیلئے میرے دل میں بے پناہ عزت بھی ہے - اور جن کے اونچے وچاروں سے ہندوستان کا مسلمان مطمئن بھی ہے - میں ایک بار ہاؤس میں صاف کہنا چاہتا ہوں کہ ہندوستان کے مسلمانوں کے دل میں واجپئی جی کیلئے بے پناہ جرات ہے اور واجپئی جی نے جب بھی ایسا موقع آیا ہے بہت کھلکر سیکولرازم کو بچانے کی راہوں پر اپنے وچار ویکت کئے ہیں - اسلئے اڈوانی جی نے جو رتھ یاترا نکالی

[مولانا عبید اللہ خان اعظمی]

ہے میں واجپئی جی سے کہونگا کہ میں آپ کی ہمت کو آواز دے رہا ہوں اپنی جرات کو میں آواز دے رہا ہوں جس جرات کے ذریعے آپنے جب بھی ایسا ماحول پیدا ہوا ہے جو حالات کو بچانے میں نمایاں کامیابی حاصل کی ہے - میں آج اس ہاؤس میں یہ عرض کرنا چاہونگا اور اڈوانی جی سے بھی اپیل کرونگا کہ اڈوانی جی بہت ہو چکی خون کی ہولی - اب بند کروایئے - بہت لٹ چکا ہے ہندوستان - ہندو مسلم ایکتا کے ہندوستان - گاندھی کے خوابوں کا ہندوستان - مولانا آزاد کی خوشی اور مسرتوں کے ہندوستان کو پھر سے بنایا جائے - امریکہ ہمیں تباہ کرنے کیلئے ہماری چوکھٹ کے اکرسعودی عربیہ میں بیٹھا ہوا ہے - دنیا کی سپر طاقتیں ہندوستان کی ترقی کے وجود کو برداشت نہیں کر پا رہی ہیں - ہمارا دیش اتنا مہان ہے کہ سوئی ہم بناتے ہیں - ہوائی جہاز ہم بناتے ہیں - پٹرول کی دریافت میں ہم لگے ہوئے ہیں - آج اپنے پیٹ پر پتھر باندھکر بھی ہندوستان اگر آسمان پر پہونچانا ہوگا تو ہندوستان میں رہنے والے ناگرک اپنے دیش کو آگے بڑھانے کیلئے ہر بلیدان کا جذبہ لیکر کھڑا ہوا ہے - ایسے ہندوستانیوں کو مت گنوائیے - ایسے ہندوستان کے پریمی بھارتیہ ناگرکوں کو مت بانٹیئے - وقت ہے کہ اس رتھ یاترا کو روک دیجئے اور بھارت میں صحیح ڈھنگ سے سیکولرزم کو آگے بڑھانے کیلئے اس ملک کے ننھے ننھے بچوں پر رحم کیجئے - اس ملک کی عورتوں پر رحم کیجئے - ان بہنوں پر رحم کیجئے - جو بہنیں فرقہ وارانہ فسادات میں لوٹی جاتی ہیں - بھارت کی سمپتی پر رحم کیجئے - جو سمپتی اس دیش کے اجول مستقبل کی محفوظ ضمانت ہے - میری گزارش ہے کہ ان فسادات کا سلسلہ ختم کیجئے - کوئی راستہ نکالئے اور حکومت سے بھی میں کہنا چاہونگا کہ ایکدم مردانگی کے ساتھ حکومت فیصلہ لے -

وتوں کی بنیاد پر یا پارٹی کی بنیاد پر دیش نہیں چلایا جاتا - دیش ایمانداری کی بنیاد پر چلایا جاتا ہے - سچائی کی بنیاد پر چلایا جاتا ہے - بچایئے دیش کو اور روک دیجئے یہ رتھ یاترا - میری گزارش ہے آپ سے تاکہ ملک سکھ اور چین کا سانس لے - دھنیہ واد -]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Dr. Ratnakar Pandey. Be very brief.

DR. RATNAKAR PANDEY: I will speak for only five minutes, Sir.

उपाध्यक्ष महोदय, गोंडा में जो घटना घटी है, वह भारत के, मानवता के, इंसानियत के नाम पर धब्बा, कलंक और एक ऐसा बदनुमा दाग है, जिसकी मिसाल स्वतंत्र भारत में नहीं मिलतीं है। गोंडा से बीस किलोमीटर कर्नलगंज है, वहां दुर्गा-मूर्ति, प्रतिमाओं के विसर्जन को जुलूस आ रहा था, जो जनता दल के सांसद हैं लोकसभा में, मुन्नन खान उनका नाम है, उनके घर से एसिट-बल्ब और बम फेंके गए जुलूस पर और दूसरे जनता दल के विधायक, गोंडा घनावा के रहने वाले हैं अजय प्रताप उर्फ लल्ला, जो कर्नलगंज से विधायक है, उन्होंने भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह आग हिंसा की 40 गांव तक फैली, घर फूके गए, छोटे-छोटे बच्चों को तबाह किया गया, मिट्टी का तेल और पेट्रोल डालकर फूका गया, लूटपाट हुई। जो वहां के लोगों का कहना है, प्रत्यक्ष दर्शियों का, उसके अनुसार, हमारे इस सदन में भी गोंडा के सांसद बेकल उत्साही जी है, कि तीन सौ लोग अब तक काल के गर्भ में समा चुके हैं। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और जितने भी सांप्रदायिक दल हैं, उन सब ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जिसमें हमारे मुख्यमंत्री जी, मौलाना मुलायम सिंह जी यादव, जो अपने को कहते हैं कि मुसलमानों के लिए मैं मौलाना हूं... (**व्यवधान**) ...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : वह अपने आपको नहीं कहते, आप गलत कह रहे हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मै उनकी प्रशंसा में कह रहा हू और आपके पक्ष में कह रहा हूं। मुसलमान आसमान से नहीं टपका। सुनिए जरा। मुसलमानों ने जिनको मौलाना का फतवा दिया, यही सुनना चाहते हैं न आप। मुलायम सिह जी उस समय बंबई में भाषण कर रहे थे और कल हमारे बनारस में वह भाषण कर रहे थे। ... (**व्यवधान**) ...

अरे, इतना झूठ बोलिए कि छत न गिर जाए। पांच लाख तो बहुत होता है, आप सरकार को लेकर सरकारी साधन से दस हजार की भीड़ को आप पांच लाख कह सकते हैं मैं बता रहा था कि भड़काने वाली बातें हो रही हैं, झूठे आश्वासन जनता को दिए जा रहे है और खचाखच कत्लेआम हो रहा है।

माननीय उपसभाध्यक्ष जी, यू०पी० गवर्नमेंट के संबंध में 6 बार उत्तर प्रदेश के सांसद महामहिम राष्ट्रपति जी से मिल चुके हैं। कहीं निर्बल महिलाओं पर, हरिजनों पर अत्याचार हो रहा है तो कहीं हम सब की मां-बहन और बहू-बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है और उनकी रिपोर्ट तक थाने में नहीं लिखीं जा रही है और उल्टे थाने में जो रिपोर्ट लिखवाने जाता है उसको ही फंसा दिया जाता है। भारत के राष्ट्रपति ने कहा था, यहां कई सांसद मौजूद है, कि हमने सारी चीजें भारत के गृह मंत्री को भेजी हैं लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नही की गई है। मुलायम सिंह के खास आदमी और उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं आजम खां जी, वह भी आग में घी डालने का काम कर रहे है साम्प्रदायिकता के नाम पर। करनेलगंज के पड़ोस के जो गांव हैं, जो बर्बाद हो चुके हैं, जहां राख पड़ी हुई है, जहां इंसानियत कराह रही है, जहां हर व्यक्ति सिसक रहा है, रो रहा है, भय से, मौत से भी ज्यादा खौफ में पड़ा हुआ है—कन्जेमऊ, थनवा, शाहपुर, सासा, पाण्डेचौरा, गौरीपुरवा—ये सब गांव तबाह हो चुके हैं और इस

[डा० रत्नाकर पाण्डेय]

तरह के 40 गांव वहां पर तबाह हो चुके हैं। हर गांव और कस्बे में तनाव का वातावरण है। तुलसीपुर, जो करनैलगंज से लगभग 60 किलोमीटर दूर है, वहां स्थिति और खतरनाक हो गई है। बीच में बलरामपुर, उदरौला शहर भी प्रभावित है। लोग डर के मारे भाग रहे हैं। अल्पसंख्यक लोग अपनी जिंदगी बचाने के लिए रास्ता ढूंढ रहे हैं। मैंने जिन सांसद और विधायक का नाम लिया था, उन सांसद महोदय के अनुज, छोटे भाई ताल्लुकदार खां, मुन्नन खां के, सांसद के भाई एम०पी० हैं, उन्होंने मुठभेड़ कराने में अगुआ का काम किया है। जिस दल का शासन हो, उस दल के सांसद और विधायक कत्लेआम करा रहे हों और साम्प्रदायिकता की आग में इंसानियत को जला रहे हों, धिक्कार है ऐसे लोगों को। अब वह गिरफ्तार कर लिए गए हैं सांसद के भाई महोदय। यह सब जनता दल के सहयोगियों का आधार है।

कल मैंने, जब हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री माथुर जी बोल रहे थे साम्प्रदायिकता पर, तो मैंने पूछा था कि बाबरी मस्जिद गिराकर क्या आप राम मंदिर बनाएंगे? ..(**समय की घंटी**).. तो उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद है ही कहां? बाबरी मस्जिद है। अगर बाबर ने धार्मिक उन्माद में राम मंदिर को नुकसान पहुंचाकर सैंकड़ों वर्ष पहले बाबरी मस्जिद बना ली तो हमारे हिन्दुत्व में, मैं किसी भी प्लेटफार्म पर शास्त्रार्थ करने को तैयार हूं, हिन्दू संस्कृति है, सनातन धर्म है और सनातन धर्म में कहा गया है कि राम, जिनके हृदय में छल-कपट नहीं है, प्रपंच नहीं है, बसते हैं।

मस्जिद तो बना ली शब भर में,
ईमां की हरारत वालों ने
मन अपना पुराना पापी था, बरसों
में नमाजी बन न सका।

हिन्दू हो या मुसलमान हो--

माला फेरत जग गया, गया न मन का फेर
कर का मनका डार दे, मन क मनका फेर।

एक क्षण के लिए भी अगर एकाग्र होकर के कन्संट्रेट हो करके एक क्षण भी अगर इंसान भगवान या अनन्त शक्ति के प्रति समर्पित हो जाए तो उसके इहलोक और परलोक दोनों बन जाते हैं। वह एकाग्रता आती ही नहीं कभी। ऐसी स्थिति में जब-जब भारतीय जनता पार्टी जिसका नाम कभी जनसंघ रहा है, माननीय वाजपेयी जी, आपके प्रति सारे देश की और इस सदन की श्रद्धा है। कभी आपके दल ने गाय को सहारा बनाया, कभी आपके दल ने गंगा जल को सहारा बनाया। और जब-जब चुनाव बीत गये न गंगा की याद रही आपको न गाय की याद रही और आज जो रथ लेकर के आपके सहयोगी अडवाणी जी निकले हैं और राम मंदिर की स्थापना कर रहे हैं इस सरकार के पास जवाब नहीं था जब मैंने पूछा था कि विश्व हिंदू परिषद के पास पांच सौ करोड़ रुपये आये हैं और उन रुपयों का दुरुपयोग साम्प्रदायिक दल के उत्थान में हो रहा है, वोट बढ़ाने के लिये खर्च किया जा रहा है। यह सब वोट की राजनीति है और जब-जब वोट की राजनीति हो जाती है तब-तब जनसंघ और भारतीय जनता

[उपसभापति महोदया पीठासीन हुई]

पार्टी चाहे और कुछ कह लीजिये फिर उन मुद्दों को भूल जाती है। ऐसी स्थिति में मुसलमान जब भारत का नागरिक बना था इस देश का, तो उसने हिंदुस्तान में अपनी अहमियत समझी थी। मसलमान कोई आसमान से नहीं टपका था, धरती को फोड़कर नहीं आया था। वह इस देश का नागरिक है। आज जैसे बहुत से लोग बौद्ध धर्म में परिवर्तित हो रहे हैं सुविधाओं को लेकर

विशेषकर हरिजन, उसी तरह कंवर्ट हैं मुसलमान। वह भारत मां की संतान हैं और भारत मां की एक भी संतान पर अगर कत्ले-आम किया जाता है धर्म और साम्प्रदायिकता के नाम पर तो इससे बड़ा पाप,, इससे बड़ी हिंसा, इससे बड़ा गलत काम कोई हो ही नहीं सकता। जब विदेशी ताकतें किसी देश को तोड़ना चाहती हैं तो जाति और साम्प्रदायिकता का नारा देती है।

उपसभापति : पाण्डेय जी, बैठ जाइये।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : समाप्त कर लेने दीजिये मैडम।

उपसभापति : मैं आपका भाषण अपने कमरे से भी सुन रही थी। आप काफी समय से बोल रहे हैं। कृपया बैठ जाइये। बहुत से लोगों को बोलना है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : एक मिनट मैडम।

उपसभापतिः आपसे विनती है।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : समाप्त तो कर लेने दीजिये मैडम।

उपसभापति : देखिये, फिर लड़ाई झगड़ा होता है कि हम नहीं बोले, हम नहीं बोले। इसलिये मैं अपने ही ऊपर जिम्मेदारी लेकर आपको बिठा रही हूं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : एक मिनट मैडम, जरा सी कृपा करदें, आज अंतिम दिन है।

उपसभापति : अंतिम दिन नहीं है आपका, भगवान न करे, खुदा न करे।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : नहीं-नहीं, सरकार का अंतिम दिन हो सकता है आज की संसद का। तो मैं कह रहा था, वाजपेयी जी, छाती पर हाथ रखकर के जानना चाहेगा सदन आपसे जहां एक ओर प्रोग्रेसिव कम्युनिस्ट बैठ रहे हैं, एक ओर आप लोग बैठे हुये हैं और एक ऐसे व्यक्ति को आप प्रधान मंत्री बनाये हुए हैं जिस व्यक्ति का अपना इतिहास है कि समस्यायें पैदा करो। हादसे में वह प्रधान मंत्री हुये हैं। इस देश में जो भी हादसा होगा उसकी सारी जिम्मेदारी श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह और उनकी सरकार की होगी। 6 महीने, 7 महीने का आपने समय दिया और राम मंदिर और बाबरी मस्जिद की समस्या आज तक वह हल नहीं कर पाये। जल्दी-जल्दी में जो कुछ किया उन्होंने उसका परिणाम आप देख रहे हैं कि आरक्षण के नाम पर देश में आत्म हत्याओं के सिलसिले का एक नया इतिहास शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में गोंडा में घटना हो, कर्नाटक में घटना हो, गुजरात में घटना हो, बिहार में घटना हो... **(व्यवधान)**

उपसभापति : पाण्डेय जी, कृपया बैठ जाइये। कर्नाटक के लिये किसी कर्नाटक वाले को टाईम दे दीजिये, जरा उनका नाम भी आ जायेगा।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इतनी देर में तो मैं कह देता।

उपसभापति : बस प्लीज, बैठ जाइये। मेरे पास गौतम जी सुबह से.... **(व्यवधान)** बहुत हो गया।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, कि अगर इस देश को बचाना है, उसके टुकड़े-टुकड़े नहीं करना है, हिंदू-मुसलमान के रक्त को भारत माता की संतान का खून समझना है, धुंवे का रंग और खून का रंग एक होता है तो ऐसी स्थिति में विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार को तत्काल इस्तीफा देना चाहिये अथवा राष्ट्रपति महोदय द्वारा उसे खत्म करके नयी व्यवस्था करनी चाहिये नहीं तो 24 तारीख को विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार.... **(व्यवधान)**

उपसभापति : बैठिये, बैठ जाइये।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : जब राम का रथ आड्वाणी जी लेकर पहुंचेंगे तो देश में कत्लेआम होगा और उस समय कोई सुरक्षा नहीं हो पायेगी। इन शब्दों के साथ, इस देश को बचाने के लिये सोचने-समझने वाले लोग आगे आयें और विश्वनाथ प्रताप सिंह का इस्तीफा लेकर के राष्ट्रपति उन्हें बर्खास्त करें तभी देश बच सकता है।

उपसभापति : मि० अफजल आप अपनी जगह पर जाइये। आप अपनी जगह पर नहीं बोल रहे हैं।

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : आवाज की दिक्कत थी।

उपसभापति : इजाजत मांग लीजिये। बिना इजाजत के कोई काम करेंगे तो प्रथा पड़ जाती है।

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैं इजाजत मांगने के लिये खड़ा हुआ था।

उपसभापति : इजाजत भी वहीं से मांगनी चाहिये थी। आने के बाद इजाजत मांगने का क्या फायदा?

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : आप कहें तो मैं चला जाता हूं।

उपसभापति : केवल दो मिनट में खत्म करें।

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैडम, मैं इस मसले पर सुबह से बोलना चाहता हूं। आपको शायद मालूम न हो कि मैंने अभी तक इस हाउस में कोई स्पीच नहीं दी है। आप इसे मेरी मेडन स्पीच समझ लीजिए। मैं आपकी इजाजत चाहता हूं। अगर नियम इसकी इजाजत देता हो। मैंने इस सदन में बाकायदा कोई स्पीच नहीं दी है। मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि मुझे थोड़ा सा ज्यादा वक्त दिया जाए।

उपसभापति : अफजल साहब, देखिए, मुझे कोई एतराज नहीं है। इस मसले पर कोई दो राय तो हैं नहीं। एक ही राय है कि देश के अंदर शांति होनी चाहिए, सद्भावना होनी चाहिए। तो वह बात आप 5 मिनट में भी कह सकते हैं।

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैडम, यह राय तो 40 सालों से है। बुनियादी बात यह है कि यह राय बनने के बावजूद ऐसा माहौल क्यों नहीं पैदा हो रहा है?

महोदया, अभी नेशनल इंटिग्रेशन काउंसिल की मीटिंग में उड़ीसा के चीफ मिनिस्टर साहब ने इशारतन एक बात कही थी और यह कहा था कि 30 अक्तूबर से पहले इस मुल्क में वह होने वाला है कि लोग 1947 के फसादात को भूल जाएंगे। उनकी बात का नेशनल इंटिग्रेशन काउंसिल ने नोटिस लिया और उस मसले पर चर्चा की। वहां यह बात उठी थी कि सारा झगड़ा शुरू हो रहा है राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद के मसले से। उस मीटिंग में यह युनैनिमस डिसीजन हुआ था और आडवाणी साहब से गुजारिश की गई थी कि वह रथ यात्रा को मुल्तवी कर दें लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

महोदया, मैं यह इल्जाम नहीं लगाता लेकिन आज पूरे मुल्क की राय यह है कि गोंडा के अंदर जो कुछ भी हुआ है, उसका कुछ न कुछ ताल्लुक इस रथ यात्रा से है। गोंडा के अंदर भारी फसादात हुए हैं। भागलपुर के बाद यह दूसरा मौका है। इस बात को आप समझ लीजिए कि यह दूसरा मौका है जबकि फसादात शहर से निकलकर देहातों की तरफ बढ़ रहे हैं। जहां केवल 4 मकान हैं या 3 मकान हैं और हमारे पास इतनी फोर्स नहीं है कि हम हर गांव के अंदर

जाकर अकल्लियती फिरके की हिफाजत कर सकें । नतीजा सामने है, लोगों को जिंदा जलाया गया है ।

मुलायम सिंह यादव साहब के बारे में आजकल मैं तरह-तरह की बयानात पढ़ रहा हूं । परसों मैं मुंबई में था और उससे एक रोज पहले भी मुंबई में था । जिस मीटिंग को उन्होंने खिताब किया, उस मीटिंग के अंदर कुछ लोगों ने जूतियां चलाई, कुर्सियां फेंकी और महिलाओं को आगे कर दिया ताकि रुकावट न डाली जा सके लेकिन वहां पर यादव जी बोले और जो कुछ बोले, वह एक-दो जुमले मैं आपको सुनाना चाहता हूं क्योंकि जो कुछ अखबारों में आया है वह सब कुछ वह नहीं है जो उन्होंने वहां कहा था । उन्होंने कहा था—"गोंडा के अंदर मेरे पीछे दंगा नहीं हुआ, कुछ लोगों को धोखे से कत्ल किया गया है । दंगा वह होता है जब दो फिरके लड़ते हैं । वहां गांव और देहातों में जब इनका बस नहीं चला तो देहातों में जाकर इन्होंने गरीब लोगों को, सोते हुए लोगों को कत्ल किया । मैं इसको दंगा नहीं मानता ।"

ये अलफ़ाज हिंदुस्तान के सबसे बड़े सूबे के चीफ मिनिस्टर के हैं, जो मैंने आपके सामने पेश किए हैं । मुलायम सिंह यादव साहब वापस गए । उन्होंने जो बातें कही हैं वह आज सारे अखबारों में आ चुकी हैं, मैं उनकी तफसील में नहीं जाना चाहता । हमारे कांग्रेस के भाई बड़े दिल से बोलें हैं लेकिन जब ये लोग बोलते हैं तो मैं सच कहता हूं कि मुझे भागलपुर के अंदर और मेरठ के अंदर पड़ी हुई एक-एक लाश नजर आ जाती है । इनके दिल में दर्द हो सकता है लेकिन वह दर्द उस वक्त कहां था जब ये हुकूमत में थे ? अभी पाण्डेय जी ने कहा था कि वजीरे आजम वी. पी. सिंह इसके जिम्मेदार हैं । अगर उनमें हिम्मत है तो वह यह कहें कि भागलपुर के अंदर जो मुसलमानों का कत्ले-आम हुआ था, मेरठ के अंदर मुसलमानों का जो कत्ले आम हुआ था, उनके जिम्मेदार उनके लीडर राजीव गांधी जी हैं.... **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सारी जिम्मेदारी विश्वनाथ प्रताप सिंह की है । जो कत्ले आम हो रहा है, उसके लिए अपने प्रधान मंत्री की मर्यादा को बचाने के लिए आप यह कह रहे हैं... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं यहां हुकूमत की चमचागिरी करने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं.... **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : दुनिया में किसी ने मुसलमानों का इतना समर्थन नहीं दिया है जितना राजीव गांधी ने समर्थन दिया है... **(व्यवधान)** आप हमारे नेता पर गलत आरोप लगा रहे हैं.... **(व्यवधान)**

उपसभापति : पांडे जी आप बोल चुके हैं, उनको बोलने दीजिए... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैंने आपके नेता पर आरोप नहीं लगाए हैं... **(व्यवधान)**

उपसभापति : यहां इस हाउस में सब एक-मत के लोग नहीं हैं । वह अपने मत की बात करेंगे, आप अपने मत की करेंगे । थोड़ा टालरेंस होनी चाहिए, उनकी बात सुनिए । वह क्या कह रहे हैं कहने दीजिए...

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मेरी बात सुन लीजिए । मैंने राजीव गांधी पर आरोप नहीं लगाए । अगर आप वी. पी. सिंह को इस बात का जिम्मेदार समझते हैं तो उसूली तौर पर आपको वह भी मानना पड़ेगा ।... **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : उस समय वी० पी० सिंह ने कैबिनेट से इस्तीफा क्यों नहीं दिया ?

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। इसका जवाब वी. पी. सिंह साहब से लीजिए... **(व्यवधान)**

SHRI SUNIL BASU RAY (West Bengal): There must be some rationale in this House. We are going irrelevant in the House.

उपसभापति : आप इस गंभीर मुद्दे पर दखल मत दीजिए। आप अपनी बात जल्दी खत्म कीजिए।

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : मैं कहना चाहता हूं कि मुलायम सिंह यादव ने जो इक्तदामात किए हैं उनके अनुसार फसादात होने की बात मैं नहीं कह रहा हूं, मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि रेकार्ड उठाकर देख लीजिए कि अहमदाबाद में फसादात हुए और 6 महीने तक चलते रहे। मेरठ में फसाद हुए तो मार्च से अगस्त तक चलते रहे। इस सरकार के आने के बाद हम इनको पूरी तरह से काबू करने में कामयाब हुए हैं। फसादात होते हैं लेकिन दो तीन दिन में खत्म हो जाते हैं... **(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : खून की नदियां देश में बह रही हैं आपकी सरकार के आने के बाद...

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : मैंने कहा कि अब तक वह स्थिति थी कि फसादात होते थे रुक जाते थे लेकिन गोंडा में ऐसा नहीं हुआ। क्यों नहीं हुआ इसको तलाश करने की जरूरत है। अभी मिश्रा जी ने जो रेजूलूशन पेश किया है उसका ताल्लुक गोंडा से है। मैं कहना चाहता हूं कि जो बात उस रेजूलूशन में कही गई है उससे उन फसादात का ताल्लुक है, मुल्क की जनरल स्थिति का भी ताल्लुक है। इसलिए उस पर जरूर बात होनी चाहिए...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अभी आपने मुंबई का जिक्र किया है लेकिन जहां पर मुख्य मंत्री ने भाषण दिया था उसके बाद भीड़ ने जमा होकर वहां पर क्या किया ? हिन्दुओं की दुकानें लूट लीं। बम्बई जो गोंडा से हजारों मील दूर है वहां उनकी तकरीर के बाद क्या हुआ ?

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : माथुर साहब आपने जो सवाल उठाया है आपको शायद मालूमात की कमी है। आप पूरे अखबारात देख लें कि किसने किस पर हमला किया है। इसकी तफसील में मैं नहीं जाना चाहता। **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : उन्होंने जुलूस के बाद तबाही मचाकर रख दी। मैं वही कह रहा हूं कि मैं वहां मौजूद था। मैंने अपनी आंखों से नहीं देखा परन्तु समाचार मिले हैं ... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : मैं भी वहां पर था। मैं उस तफसील में नहीं जाना चाहता। आप अखबार उठाकर देख लें कि किसने किस पर हमला किया। **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप तो भाषण सुन कर चले गये। **(व्यवधान)** मुख्य मंत्री ने बार बार कहा कि यू०पी० के अंदर मुसलमान हथियार रखते हैं। गैर कानूनी रखते हैं इस पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़जल उर्फ मीम अफ़जल : बिल्कुल गलत है। आपने अखबार नहीं पढ़ा। आप बम्बई का अखबार देख लीजिए। **(व्यवधान)**

उपसभापति : माथुर साहब भाषण के ऊपर टाइम मत लूटें। उनका भाषण खत्म होने दें। नहीं तो हाउस का टाइम बर्बाद होगा। एक बहस हो रही है उसे खत्म होने दीजिए। **(व्यवधान)**

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): What are we getting out of it? Just wasting our time.

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैं मुलायम सिंह यादव की तारीफ करने के लिए नहीं खड़ा हुआ हूं । आपके लीडर राजीव गांधी साहब ने मुलायम सिंह यादव की तारीफ की है नेशनल इंटेग्रेशन कौंसिल में । अगर आप वाकिफ हैं उससे तो आप उस बयान को भूलें मत । राजीव गांधी साहब ने नेशनल इंटेग्रेशन कौंसिल की मीटिंग में यह कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार जो कुछ कर रही है हम उसकी पूरी मदद करने के लिए तैयार हैं । इसलिए मैं समझता हूं कांग्रेस के लोगों को यह बात सोचनी चाहिए और जो इल्जाम लगा रहे हैं मुलायम सिंह यादव पर वह अपने लीडर का बयान देखें क्या कहा है । **(व्यवधान)**

उपसभापति : अफजल साहब आपसे यह निवेदन करूंगी कि मामला गम्भीर है इसलिए जरा एक रेजोलूशन पास कर लेने दीजिए ताकि बात खत्म हो । **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैं इन्टरपशन में अपनी बात नहीं कह सका । **(व्यवधान)**

उपसभापति : यहां दो-तीन घंटे बहस होकर भी कोई नतीजा नहीं निकला । मैं कोशिश कर रही हूं कि भाषण कम कर दिया जाए **(व्यवधान)**

श्री कपिल वर्मा : मैं एक मिनट लूंगा । **(व्यवधान)**

उपसभापति : क्या एक मिनट में कोई नई बात कह देंगे ? मैं आपका नाम भी लिख देती हूं कि आप बोलें । **(व्यवधान)**

Everybody wants to put his name. When we pass this resolution, everybody, every Member who is present in the House and who is absent also, will be a pary to it... (*Interruptions*) so that they will abide by it.

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : मैं एक अर्ज करना चाहता हूं । आपसे माफी चाहता हूं कि मेरी बात सुन लें । आडवाणी जी ने जब रथयात्रा शुरू की हम इस बात को मानते हैं कि उनको रथ यात्रा निकालने का पूरा अख्तियार है । जिस दिन उन्होंने रथ यात्रा शुरू की तो एक बात कही थी अपने लोगों से अपने वर्कर्स से अपील की थी कि उनकी यात्रा के अंदर गलत नारे नहीं लगने चाहिएं । लेकिन अखबारात इस बात के गवाह हैं कि रथयात्रा के अंदर बराबर गलत नारे लग रहे हैं । **(व्यवधान)** एक बयान मैंने पढ़ा है **(व्यवधान)** मैं भाषण नहीं कर रहा हूं मैं हकीकत कह रहा हूं । उन्होंने यह कहा कि जितने हथियार हमको रास्ते में मिल रहे हैं इन हथियारों से हम राम जन्म भूमि को मुक्त करा सकते हैं। यह अखबारों में आया है । मुमकिन है उन्होंने इसको डिनाइल भी नहीं किया । **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : एक सेकिण्ड दे दीजिए । **(व्यवधान)** हथियार का जो जिक्र किया जा रहा है यह बात ठीक कह रहे हैं । **(व्यवधान)** आप सुन लीजिए । मैं आपकी बात की ताईद कर रहा हूं । **(व्यवधान)** हथियार जो दिये गये हैं वह वे हैं जो रामलीला में खपच्ची और बांस से बने हुए होते हैं । वैसी बनी तलवारें हैं . . . **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : यह छड़ियों को हथियार समझ रहे हैं यह इनकी गलतफहमी है । **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं बता रहा हूं कि जैसे रामलीला में लकड़ी आदि की झूठी तलवार होती है वैसी तलवारें दी गयी हैं । **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : जब हथियार का लफ्ज इस्तेमाल किया जाता है तो छूरी और चाकू . . . **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जैसे आपके यहां भी जुलूस निकलता है उसमें लेकर निकलते हैं वैसे ही रामलीला वाली लकड़ी

[श्री जगदीश प्रसाद माथुर]

की तलवारें दी गयी हैं। **(व्यवधान)** मैं वहां मौजूद था मैंने देखा है। **(व्यवधान)**

उपसभापति : माथुर साहब आप जैसा कमजोर आदमी तो लकड़ी से भी मर जाएगा।

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : उनका बयान छपा है। मैं पूरे सदन को उनका बयान बताना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि उन्होंने कहा कि राम भक्ति हीं देश भक्ति है। इसके बारे में आप क्या कहना चाहते हैं? क्या मीम अफजल जब यह कहें कि मोहम्मद की भक्ति ही देश भक्ति है तो क्या इस मुल्क के हिन्दू इस बात से सहमत होंगे?

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जरूर होंगे; अगर हजरत मोहम्मद को देश भक्ति के साथ जोड़ा जाता है। मैं यह कहना चाहता हूं कि बुजुर्गों की भक्ति देश भक्ति से अलग नहीं है.... **(व्यवधान)**

श्री चतुरानन मिश्र : अगर अच्छी बात है तो आप क्यों नहीं कहते कि राम की, हनुमान की, मोहम्मद की भक्ति देश भक्ति है। एक का ही नाम क्यों लेते हैं... **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप तो धर्म को नहीं मानते हैं। ईसाई मुसलमान और हिन्दू धर्म को मानते हैं अपने अकीदे के अनुसार सब चलें और बुजुर्गों के प्रति निष्ठा को जोड़ दें।... **(व्यवधान)**

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : वाजपेयी जी ने यहां पर कहा कि आडवानी जी एन. टी. आर० से यह मशविरा करने गये कि मस्जिद को शिफ्ट किया जा सकता है या नहीं। मैं एक गलतबयानी दूर करना चाहता हूं। अभी तक इस सिलसिले में किसी आलम ने किसी मजहबी रहनुमा ने मुसलमानों की तरफ से कोई फतवा जारी नहीं किया है जिसकी रूह से किसी मस्जिद को शिफ्ट किया जा सकता है। मैं आपकी नियत पर शक नहीं करता हूं कि आप एन० टी० आर० साहब से मशविरा करने गये होंगे। लेकिन आप उनसे तो मशविरा कर लीजिये जिनकी वह मस्जिद है। क्या अपने आप सब कुछ तय कर लेंगे? श्री सिकन्दर बख्त साहब ने एक अहम सवाल उठाया। मैं उसको दोहराना चाहता हूं। उन्होंने फरमाया कि जिन लोगों ने ताला खोला वह किस हालत में खोला, उसके लिए जो जिम्मेवार है उसको फांसी पर चढ़ाने की जरूरत है। मैं कहता हूं कि जिन्होंने ताला खोला उनको आप फांसी पर चढ़ाने के लिए तैयार हैं लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि जिन लोगों ने बाबरी मस्जिद का ताला खोला उनके लिए आप क्या कहते हैं? जो लोग मस्जिद तोड़ कर मंदिर बनाना चाहते है उनके बारे में भी आप राय दीजिये। बी० जे० पी० के बारे में मैं सफाई के साथ कहना चाहता हूं कि सरकार आपकी हिमायत से चल रही है। हम समझते हैं कि हमारी सरकार आपकी हिमायत से चल रही है तो क्या वह किसी मामले पर ब्लैकमेल हो सकती है? कम से कम नहीं होगी। आप इस मामले को खत्म कर दीजिये। मैं लम्बी तकरीर नहीं करना चाहता हूं। श्री ओबेदुल्ला जी ने अपनी तकरीर की है। वह सारे सदन ने सुनी है। मैं उस तकरीर के बारे में यह कहना चाहता हूं कि वह हिन्दुस्तान के मुसलमानों की आवाज है। उसकी तफसील में मैं नहीं जाना चाहता हूं। हमारे भी जजबात हैं। आप अपने जजबात पर नजर डालिये। इस मुल्क में कौन आग लगाना चाहता है? आखिर में मैं यही कहूंगा कि सिर्फ तकरीरें करने से और पाइन्ट्स दे देने से यह मसला हल होने वाला नहीं है। 30 तारीख करीब है और उसके पहले मुल्क के अंदर बहुत ज्यादा खून-खराबा होने का अंदेशा है। इसको रोकने के लिये हमें संजीदगी से कार्यवाही करनी चाहिए। आज हाउस का आखिरी दिन है। चतुरानन मिश्र जी ने जो यह रेज्योल्यूशन रखा है मैं इसका समर्थन

करता हूं। जो लोग इस रेजोल्यूशन को नहीं मानते हैं उनकी नीयत में खोट है इस बात को मानना चाहिये। बहुत बहुत शुक्रिया।

श्री विठ्ठलभाई मोतीराम पटेल (गुजरात) : गृह मंत्री जी आप त्रिशूल पर बैन लगा दीजिये। रथ यात्रा में त्रिशूल पर बैन लगा दीजिये। रथ यात्रा में त्रिशूल लेकर चल रहे हैं यह बहुत ही भड़काने वाली बात है। इस पर बैन लगा दीजिये।

SHRI SUKOMAL SEN: You are continuing this debate. A number of Special Mentions are pending.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have no objection. We will take them up. This is also a Special Mention which is going on.

कुमारी आलिया : आप जरा संक्षेप में बोलिये।

एक माननीय सदस्य : इनको सामने आकर बोलने दीजिये।

उपसभापति : अगर सब सामने आ आकर बोलने लगेंगे तो इस हाउस में बैक बेंचर कौन रह जायेगा? आप ही रह जायेंगे।

कुमारी आलिया (उत्तर प्रदेश) : मैडम आपने मुझे टाइम दिया इसके लिये मैं आपका बहुत बहुत शुक्रिया अदा करती हूं।

महोदया मुझे आज बेहद दुख है कि हमारे हिन्दुस्तान में जिस तरह से आग लगाई जा रही है इस मुल्क को तोड़ने की जो साजिश की जा रही है उससे यह देश जो है वह जल रहा है। गोंडा में 30 तारीख से जो हालात हुए हैं जिस तरह से वहां पर मारा जा रहा है पीटा जा रहा है जलाया जा रहा है गांवों में बच्चों को, लड़कियों को, बुजुर्गों को उठाकर जलाया जा रहा है बोतलें फेंकी जा रही हैं और उनको दफन किया जा रहा है, उनको नदी में फेंका जा रहा है इससे हमें बहुत ही ज्यादा तकलीफ है। दूसरी तरफ मेरा जहां से ताल्लुक है बाबरी मस्जिद और रामजन्म भूमि के स्थान फैजाबाद से मेरा ताल्लुक है। हम सब हिन्दुस्तानी हैं और हिन्दुस्तान के संविधान में यकीन करते हैं। जो भी चीज कोर्ट के विचाराधीन है तो कोर्ट के फैसले को हिन्दू और मुस्लिम भाई मानने के लिये तैयार हैं। इसके बावजूद रथ यात्रायें निकालकर साम्प्रदायिक ताकतें हिन्दुस्तान में कत्लेआम करा रही हैं। इससे हम लोगों को बहुत तकलीफ पहुंची है। मैं नेशनल फ्रंट सरकार से गुजारिश करना चाहती हूं कि इस प्रकार से जो साम्प्रदायिक ताकतें अपना सर उठा रही हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर से भी मैं यह कहना चाहती हूं उन्होंने जो भी कदम उठाये हैं और जो वह साम्प्रदायिक ताकतों से लड़ रहे हैं उसके लिये उन्होंने ठीक ही कदम उठाये हैं। मगर केवल कागजों में या अखबार में स्टेटमेंट देने से कोई काम नहीं चलेगा। यह उनका एक लालीपाप है। आडवाणी साहब का यह नारा कि हिन्दुस्तान से मुसलमानों वापस जाओ, बाबर की संतान वापस जाओ इस तरह का इस्तालअंगेज नारा लगाकर जो हिन्दुस्तान के सेकुलरिज्म को ठेस पहुंचाई जा रही है इसको वे वापस लें। जो भी फैसला कोर्ट का होगा हिन्दुस्तान के मुसलमान उस फैसले को मानेंगे और उनको मानना चाहिये। अगर कोर्ट कहता है कि बाबरी मस्जिद राम जन्म भूमि है तो मैं कहना चाहती हूं कि राम ने और पैगम्बर हजरत साहब ने हमेशा भाईचारे का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि इंसानियत का कत्ल हो। अगर बाबरी मस्जिद और राम जन्म भूमि में किसी गरीब का, मुसलमान का, हिन्दू का, क्रिश्चियन का कत्ल होता है खून होता है तो न वहां नमाज हो सकती

[कुमारी आलिया]

है और न पूजा हो सकती है। इसलिये आडवाणी साहब को चाहिये कि वे हिन्दुस्तान की सेकुलरिज्म और गंगा-जमुनी तहजीब पर दाग न लगने दें और खून खराबा करने के बजाय वह यह समझ लें कि हिन्दुस्तान के मुसलमान इस देश को कभी भी बंटने नहीं देंगे। मौलाना अबुल कलाम आजाद जब हिन्दुस्तान का विभाजन हुआ तो हिन्दुस्तान के मुसलमानों ने मौलाना अबुल कलाम आजाद और बादशाह खान से यह कहा था कि हम मर जायेंगे शहीद हो जायेंगे लेकिन इस देश से गद्दारी नहीं करेंगे। आज भी हिन्दुस्तान के मुसलमान इस देश से कभी गद्दारी नहीं करेंगे और इस देश को टुकड़ों में नहीं बटने देंगे। मैं सरकार से बार बार कहना चाहती हूं कि वह हैरतअंगेज नारे जो लग रहे हैं इनको बंद करे और इस रथ यात्रा को निकालने की इजाजत देकर हिन्दुस्तान की सेकुलरिज्म की तहजीब को दाग न लगने दे वरना यह हिन्दुस्तान के लिये बहुत ही खतरनाक होगा। इन शब्दों के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूं।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि आपने इस गंभीर विषय पर बोलने का मुझे अवसर दिया।

महोदया, यह अत्यंत ही गंभीर विषय है और न केवल यह सदन बल्कि पूरा देश आज चिंतित है। हो सकता है कि पूरे देश में कुछ लोग हों, जो इस विचार के हों कि देश में सांप्रदायिक तनाव बढ़े, लेकिन पूरा देश लगभग आज एक राय का है। गोंडा में, कर्नाटक में, राजस्थान में, देश के दूसरे भागों में जो फसाद हुए हैं, महोदया, वहां जो खून बहा है, वह हिंदू और मुसलमान का खून नहीं, वह इनसानियत का खून बहा है। जो कत्ल हुआ है, वह किसी हिंदू का या किसी मुसलमान का नहीं, इस देश की इनसानियत का कत्ल हुआ है।

आज देश की परिस्थिति गंभीर होती चली जा रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री, मुलायम सिंह जी यादव के बारे में आज सवेरे से ही चर्चा चल रही है। माननीय एन०के०पी० साल्वे साहब की मैं तारीफ करना चाहूंगा, जिन्होंने सही मानों में मुलायम सिंह जी के कार्यों की सराहना की है।

उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री, मुलायम सिंह यादव आज न केवल उत्तर प्रदेश के अंदर बल्कि देश के कोने-कोने में सांप्रदायिक सौहार्द के लिए, सांप्रदायिक एकता के लिए अलख जगा रहे हैं। जब दो महीने पहले वह इंदौर गये, तो एयरपोर्ट पर और गैस्ट हाऊस में उनके ऊपर हमला किया गया।

एक माननीय सदस्य : बजरंग दल ने किया।

श्री ईश दत्त यादव : ठीक है। बजरंग दल के लोगों ने या किसी ने किया, लेकिन उनके ऊपर हमला किया गया और तीन दिन पहले जब वह मुंबई में भाषण दे रहे में, उनकी स्टेज पर हमला किया गया।

एक माननीय सदस्य : शिव सेना ने किया।

श्री ईश दत्त यादव : आज वे लोग जो देश की एकता और अखंडता को खत्म करना चाहते हैं, जो देश के अंदर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करना चाहते हैं, जो देश को टुकड़े-टुकड़े में बांटना चाहते हैं, जो लोग इस जहनियत के हैं, आज वह इस आदमी के ऊपर हमला कर रहे हैं। लेकिन मुलायम सिंह ने भी कहा है कि मुख्य मंत्री का पद छोटा होता है, कुर्सी छोटी होती है, उससे देश बड़ा होता है, इनसानियत बड़ी होती है और हिंदू-मुसलमान की एकता, मुख्य मंत्री पद से और मेरी जिंदगी से बड़ी होती है

मुलायम सिंह यादव ने कहा है कि अगर मेरी जिंदगी इस देश की एकता के लिए काम आएगी, तो मैं अपने को सौभाग्यवान समझूंगा । (समय की घंटी)

आज जिस रथ के बारे में चर्चा की गई है, सचमुच में देश के लिए संकट पैदा करने वाला रथ है । उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री और पूरे देश के लोग इसी एक राय के हैं और जब न्यायालय में मामला विचाराधीन है, न्यायालय का जो निर्णय होगा, वह सर्वोपरि होगा ।

मैं प्रशंसा करना चाहता हूं देश के मुसलमान भाइयों की, जिन्होंने शिरोधार्य किया है कि हम अदालत के फैसले को मानेंगे, लेकिन देश के कुछ लोग आज अदालत की अवमानना करने पर तुले हुए हैं ।

श्री आडवाणी जी, जो देश के बड़े नेता हैं, मैं हृदय से उनका सम्मान करता हूं, लेकिन जिस रथ को लेकर वह चले हैं, जिस भावना को लेकर वह चले हैं, उससे इस देश के न्यायालय का अपमान तो होगा ही—(समय की घंटी)—देश की राष्ट्रीयता और एकता के लिए खतरा पैदा होगा, देश की अखंडता के लिए खतरा पैदा होगा और देश में सांप्रदायिक सद्भाव जो है, वह समाप्त होने का खतरा पैदा होगा ।

उत्तर प्रदेश की सरकार ने मुख्य मंत्री मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में निर्णय लिया है, आग्रह किया है और मैं भी, महोदया, आपके माध्यम से बी०जे०पी० के लोगों से और विश्व हिंदू परिषद् के लोगों से और माननीय आडवाणी जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि जहां उनका रथ पहुंचा है, वहीं से वह रथ यात्रा समाप्त कर दें, देश की एकता और अखंडता को कायम करने के लिए, वरना उत्तर प्रदेश की सरकार को, जनतांत्रिक तरीके से रथ रोकना पड़ेगा और राम जन्म भूमि पर और बाबरी मस्जिद पर उनका रथ पहुंचने नहीं पायेगा ।

5 P.M.

चाहे जितने बड़े नेता हों उत्तर प्रदेश की सीमा पर उत्तर प्रदेश की सरकार को माननीय आडवाणी जी को गिरफ्तार करके जेल में डालना पड़ेगा ।... (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : गोली चलाइये, सीना हाजिर है, लाठी के लिए सिर हाजिर है । गोली के लिए सीना भी हाजिर है और सिर भी हाजिर है ।

श्री ईश दत्त यादव : माथुर जी, सुनने का कष्ट करें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जरा ईमानदारी से कहें । ..(व्यवधान) आप धौंस दे रहे हैं ।... (व्यवधान)

मौलाना ओबैदुल्ला खां आज़मी : आप लोगों को खुद आगे बढ़ करके इस हौंसले का इज़हार करना चाहिए ।... (व्यवधान)

श्री ईश दत्त यादव : माथुर साहब, आप सुनने की हिम्मत करिए । मैं समाप्त कर रहा हूं, अंतिम वाक्य ।

उपसभापति : ईश दत्त यादव जी, मेरे सामने एक रेज़ोल्यूशन है मुझे वह पढ़ कर मामला खत्म करने दीजिए और आज ज्यादा बहस का समय नहीं है, कृपया स्थान ग्रहण करिए ।

श्री ईश दत्त यादव : महोदय, अंतिम वाक्य... (व्यवधान)

उपसभापति : अभी कितने लोग बोलेंगे, पूरा हाउस ही बोल चुका है । ... (व्यवधान)... इसकी सीरियसनैस चली जाती है । अभी आप बैठ जाइये । बैठिए । सब्जैक्ट की सीरियसनैस चली जाती है । ... (व्यवधान) कृपया एक मिनट बैठिए । ... (व्यवधान) Nobody is speaking on the Resolution.

श्री ईश दत्त यादव : आखिरी, महोदया, जो माननीय चतुरानन मिश्र जी

[श्री ईश दत्त यादव]

का प्रातःकाल प्रस्ताव आया था मैं हृदय से उसका समर्थन कर रहा हूं और अपनी बात समाप्त करते हुए, महोदया, मैं आडवाणी जी के प्रति हृदय से सम्मान रखते हुए उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि देश की एकता और अखंडता के लिए देश में भाईचारा कायम रखने के लिए अपनी रथयात्रा समाप्त करके देश की इस धारा में सम्मिलित होने की कृपा करें । धन्यवाद ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : वह जातिवाद फैला रहे है, यह बात उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री को कहिए... **(व्यवधान)**

उपसभापति : माथुर साहब, कृपया बैठ जाइये। ... **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मुख्य मंत्री खुल्लम-खुल्ला कह रहे हैं कि मुसलमान जो गैर कानूनी हथियार रखते हैं वह उचित है । ... **(व्यवधान)**

उपसभापति : माथुर साहब, आर्डर, ... **(व्यवधान)** कृपया बैठिए ।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: One thing should be made clear that BJP and RSS do not speak on behalf of all the Hindus but only a very small fraction of it.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: All right, on Swamy's behalf, I do not do it. I do not want to be joined with Subramanian Swamy. *(Interruptions)*

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : मैडम, अगर रथ यात्रा की बजाय झूले लाल की यात्रा लेकर चलते तो ज्यादा अच्छा होता ।

उपसभापति : चलिए बैठिए । प्लीज आर्डर इन द हाउस ।... **(व्यवधान)**

सुबह 11.00 बजे से यह चर्चा हो रही है । बहुत से स्पेशल मेंशन हैं और दूसरी चीजें भी हैं । जो रेज़ोल्यूशन यहां सब की मर्जी से आया है मैं उसको चेयर में से पढ़ कर बात खत्म करना चाहती हूं । अभी बहुत बातें हैं ।... **(व्यवधान)** देखिए, बहुत जगह रायट्स हो रहे हैं, कहां-कहां पर आप बोलेंगे

About how many places, are you going to speak?

वह कर्नाटक का बोलेंगे, वह उदयपुर का बोलेंगे, वह जयपुर का बोलेंगे ।... **(व्यवधान)**

It is one and the same thing.

श्री हेच० हनुमनतप्पा (कर्नाटक) : मैडम, शुरू हो गया है ।... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing.

स्टाप कर दीजिए शुरू हुआ है तो आप भी बैठिए ।

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, पंजाब पर मेरा बोलने वालों में नाम था मैंने इसीलिए वह नाम वापस लिया ।

उपसभापति : यह कोई मशरूत नाम वापस नहीं लिए जाते हैं इस हाउस की मैंने यहां कहीं लिया इसलिए वहां... **(व्यवधान)**

डा० अबरार अहमद खान : मुझे बोलना है, लेकिन मेरे मे आप कहती हैं कि आप चेयर की बात नहीं मानते, लगातार 11 बजे से मुसलसल मैं आपसे बोलने की रेकवेस्ट कर रहा हूं... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आपकी पार्टी के बहुत लोग बोल चुके हैं ।

डा० अबरार अहमद खान : क्या मैं पार्टी में नहीं हूं ?

उपसभापति : आपकी पार्टी के बहुत बोल चुके हैं। बहस मत करिए। आपकी पार्टी के बहुत लोग बोल चुके हैं।

डा० अबरार अहमद खान : वह मुझे मालूम है।

उपसभापति: मुझे शिव शंकर जी ने कहा कि आलिया को बोलने दीजिए, मैंने उन्हें इजाजत दे दी। मैं तो वही खत्म करने वाली थी। कितनी देर तक हम इस बात की चर्चा करेंगे? इस हाउस की कोई सीरियसनैस तो लीजिए।

डा० अबरार अहमद खान : मैं लगातार 11 बजे से हाथ उठा रहा हूं, 11 बजे से लगातार कुर्सी पर बैठा हूं।

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR (Maharashtra): Please give him a minute, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You come and sit in the Chair and give him the whole day. I am sorry, you take the Chair.

[The Vice-Chairman (Shri Bhaskar Annaji Masodkar) in the Chair]

उपसभापति : (श्री भास्कर अनाजी मासोदकर) बोलिए, एक मिनिट बोलिए।

SHRI SUBRMANIAN SWAMY: I would like to know if the Deputy Chairman has staged a walk-out.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): No, there is no walk-out.

SHRI ASHIS SEN (West Bengal): How long will it continue?...(*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKRA): Now, don't complicate it. Let us finish it...(*Interruptions*)...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I have a point of order... (*Interruptions*) ...Has the Deputy Chairman staged a walk-out? If it is so, then it is a serious matter.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): There is no question of walk-out. You know the precedent.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE (West Bengal): If one-third of the House speaks on this alone, then no other business can be taken up.

...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Would you please sit down, all of you? ...(*Interruptions*)...There is no point of order in this. She can always say that I can take the Chair because, as you know, a Vice-Chairman can take the Chair at any time.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: But there is something called tone and manner, and it appeared...,

SHRI CHATURANAN MISHRA: My point of order is, as she began reading the Resolution, you please complete it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Yes, that will be completed.

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: Let Dr. Abrar Ahmed speak.

SHRI SUKOMAL SEN: So many people spoke. What do you gain by it?

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI P. SHIV SHANKER): From the morning he has been insisting. What is the difficulty? If he speaks for a minute, What is wrong? ...(*Interruptions*)... Would you like to make it an issue? It is a very small thing.

(**The Deputy Chairman** in the Chair)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I have a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No point of order.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: It is a very small point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Before the point of order, he will finish the job.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Are you allowing him to speak?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am allowing him to finish the job. I had some work, I had to go.

मैं समझी अभी तक वे बोल चुके होंगे। बोलिए खत्म करिए आपको बोल लेना चाहिए था ।

डा० अबरार अहमद खान : बहुत-बहुत धन्यवाद समय देने के लिए । सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि सुबह जो मैंने एक बात कही थी, मेरी बात पूरी होने के पहले ही गलत अर्थ साथियों ने और आपने भी गलत अर्थ लगाया होगा ।

उपसभाध्यक्ष : मैंने कोई अर्थ नहीं लगाया । मैं तो अर्थ ही नहीं लगाती । आप अपनी बात कहिए, अर्थ और मतलब मत निकालिए ।

डा० अबरार अहमद खान : मैंने एक बात कही थी कि मुस्लिम संसद सदस्यों को भी अपने एरिये में जाना होता है, अपने समाज में जाना होता है, लोगों में जाना होता है... (व्यवधान)

उपसभापति : भूमिका मत बनाइए । अपनी बात बोलिए ।

डा० अबरार अहमद खान : जो आज सुबह से इस विषय पर चर्चा चल रही है, उसमें रथ यात्रा की बात बार-बार आयी है । म इसके अंदर जो सांप्रदायिक झगड़े हो रहे हैं उसमें रथ यात्रा से ज्यादा एक दूसरी जो यात्रा है, उसको महत्पूर्ण मान रहा है । महोदया, श्रीराम, की मैं भी पूरी इज्जत करता हूं । श्रद्धा के साथ, उनकी इज्जत अपने दिल में रखता हूं और मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं पाण्डेय जी के साथ बनारस गया था तो वहां मैं मंदिर भी गया और मस्जिद भी गया, वहां मुझे मंदिर के अंदर उतनी ही इज्जत दी गयी जितनी कि दूसरों को दी जाती है... (व्यवधान)

उपसभापति : अब इनकी बात सुन लीजिए । इतनी मुश्किल से, इतने हंगामे के बाद मौका मिला है तो सुन लीजिए कि वह क्या कहना चाहते हैं?

डा० अबरार अहमद खान : और उसी प्रकार मे तिलक लगाया गया जैसे दूसरों को दिया जाता है । ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. I am sitting here, the whole night. Everybody I will call, all of you. Let us speak, every one—no objection. I have no other work except Parliament. I have no important work in my life except this Parliament. I am sitting here the whole night, but I expect all of you to be sitting here with me!

डा० अबरार अहमद खान : महोदया, देश के अंदर राम ज्योति के नाम से हरेक जिले के अंदर एक बार वह राम ज्योति जाती है, वहां से कई प्रकार की कई राम ज्योतियां बनकर छोटे-छोटे गांव, छोटे कस्बों में गाड़ियों में जा रही हैं । यह रथ-यात्रा तो अपने निश्चित स्थान से निकल रही है, लेकिन जो राम-ज्योति जा रही है, मैंने पहले यह बात इसलिए कही कि श्रीराम के प्रति मेरा पूरा सम्मान है, इज्जत है और यह राम-ज्योति धार्मिक भावना से जाए तो मैं भी उनके साथ जाने को तैयार हूं और हर गांव का, हर कस्बे का, हर थाना का मुसलमान भी उसका उतना ही स्वागत करेगा, लेकिन मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि यह जो राम-ज्योति जा रही है, उसके अंदर कुछ इस प्रकार के लोग हैं, जो सांप्रदायिक दुर्भाव पैदा करते हैं । मैं आपको बताने जा रहा था कि कोटा के पास रावलभाटा में इस राम-ज्योति

की वजह से सांप्रदायिक झगड़ा हुआ, पाली के अंदर भी सांप्रदायिक झगड़ा हुआ, उदयपुर के अंदर भी झगड़ा हुआ। यह तो मैं आपको राजस्थान के बारे में बता रहा हूं। अगर इन चीजों को सिनसियरली नहीं देखा गया, अगर इन पर सही ढंग से सोचा नहीं गया तो मैं आपको आगाह करना चाहता हूं कि आने वाले पन्द्रह दिनों में इस हिंदुस्तान में ऐसा बखेड़ा खड़ा हो जाएगा, जो शायद कल्पना न की हो।

उपसभापति महोदया, रथ-यात्रा तो आज हरेक की निगाह में है, रथ-यात्रा की हरेक आदमी चर्चा कर रहा है, लेकिन मैं रथ-यात्रा से देश के लिए इतना खतरा नहीं मानता, मैं नहीं समझता कि रथ-यात्रा से कहीं कोई बहुत बड़ा सांप्रदायिक झगड़ा खड़ा हो जाएगा, मैं खतरा मानता हूं राम-ज्योति से, जो छोटे-छोटे गांवों के अंदर, धानियों के अंदर, कस्बों के अंदर जा रही है। एक ज्योति जिला मुख्यालय तक जाती है और वहां से कई ज्योति बनकर अलग-अलग कस्बों में भेजी जाती हैं और वहां से छोटे-छोटे गांव में, धानी में, कस्बे में जाती है। आप हैरत करेंगे कि किस प्रकार का खौफ वहां पैदा हो गया है, किस प्रकार का आतंक पैदा हो गया है, वहां के लोगों में किस तरह का डर पैदा हो गया है। यह तो वही लोग जान सकते हैं, जो 500 की आबादी के अंदर दस आदमी रहते हैं। वह बता सकते हैं कि आज उनको कितना डर है, कितना खौफ है। तो ऐसे खौफ से आजादी दिलाने के लिए सिनसियरली सरकार को सोचना होगा। मैंने पहले भी कहा कि जहां धार्मिक भावना की बात है, मैं उनके साथ हूं, अगर कहीं पूजा की बात है तो मैं उनके साथ पूजा करूंगा, कहीं जाने की बात है तो मैं उनके साथ जाऊंगा और हिंदुस्तान के हर गांव कस्बे, धानी में रहने वाला हर आदमी राम-ज्योति का स्वागत करेगा, अगर धार्मिक भावना से वह हो, लेकिन अगर किसी राजनीतिक भावना से प्रेरित है, अगर वह सांप्रदायिक भावना से जा रही है तो महोदया, मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि इस देश को आज इन्होंने ऐसे कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिससे बहुत ही विचारणीय प्रश्न सबके सामने खड़े हो गए हैं और अगर इस चीज को हमने सिनसियरली नहीं लिया तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम निकल सकते हैं।

महोदया, जो उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री और जनता-दल का बाबरी-मस्जिद के बारे में स्टेंड है, मैं उसका स्वागत करता हूं क्योंकि हमारा भी यही स्टेंड था और है, जो उन्होंने कहा है कि कोर्ट का जो फैसला होगा, उसको माना जाएगा। एक बात मैं इस संबंध में जरूर कहना चाहता हूं कि आज जो केन्द्र में सरकार है, वह भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से है। तो कहीं ड कर अपने घटने न टेक दे कि अगर उन्होंने इस स्टेंड को बरकरार रखा या कोई सांप्रदायिक दुर्भाव फैलाता है उनको रोका तो शायद वे अपना समर्थन वापस लेकर उनको डिगा देंगे। मैं कहूंगा कि इस डर से सरकार अपने घुटने न टेके।

महोदया, मैं कहना चाहूंगा कि जिस तरह की सांप्रदायिकता की बातें हो रही हैं, जिस प्रकार की देश के अंदर ऐसी यात्राएं निकल रही हैं, जिस प्रकार के सांप्रदायिक झगड़े हो रहे हैं तो जो सरकार केन्द्र में बैठी है, उसका सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि वह इनको रोके। यह सरकार इनको रोक नहीं पा रही है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि वह इस बात से डर कर कि कहीं भारतीय जनता पार्टी हमसे अलग न हो जाए और हमारी सरकार न गिर जाए, इसलिए इस चीज को नहीं रोक पा रही है, जो कि उनको रोकना चाहिए।

महोदया, मैं एक बात और कहना चाहता हूं, अभी आरक्षण के संबंध में पक्ष और विपक्ष में बहुत से आंदोलन हुए और कुछ जगहों पर चल भी रहे हैं। मैं आपके माध्यम से हाथ जोड़

इस मुल्क के लोगों से, खासतौर से मुसलमानों को कहना चाहूंगा कि वे किसी भी आंदोलन का समर्थन या विरोध न करें क्योंकि जब वे किसी आंदोलन में आते हैं तो वह सांप्रदायिक झगड़े के रूप में बदल जाता है। गुजरात हमारे सामने मौजूद है...

श्रम एवं कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : मुझे माफ कीजिएगा, यह मतलब नहीं है। महोदया, मैं आपसे इजाजत लेकर बोलना चाहता हूं मैं इतफाक से यहां था।

डा० अबरार अहमद खान : सुनिए, गुजरात के अंदर आरक्षण से संबंधित आंदोलन चला था, लेकिन दुर्भाग्यवश वह आंदोलन-आरक्षण न रहकर सांप्रदायिक आंदोलन हो गया। आज यह साजिश चल रही है, ऐसा षडयंत्र चल रहा है, डर है कि जो आरक्षण का आंदोलन है, उसको सांप्रदायिक झगड़ों के अंदर न बदल दिया जाए।...

श्री मौलाना ओबेदुल्ला खां : मैडम, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि आप मुसलमानों को मशविरा दे रहे हैं कि मुसलमान इस मामले में कुछ न करें, मैं पूछना चाहता हूं कि जब समाज को इंसाफ दिया जा रहा है और हम मंडल-कमीशन को सामाजिक न्याय मानते हैं तो हिंदुस्तान का मुसलमान इस सामाजिक न्याय का समर्थन क्यों नहीं करेगा? बिल्कुल मंडल कमीशन का समर्थन करेगा, बिल्कुल उसके साथ चलेगा। मुसलमानों को ऐसा मशविरा देना, उनको गुमराह करने के बराबर है।

उपसभापति : चलिए, आप अपनी बात खतम कीजिए, मंडल-कमीशन पर मत आइए।

डा० अबरार अहमद खान : मैडम, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि गुजरात के अंदर आरक्षण विरोधी आंदोलन चला था और वही आंदोलन बाद में सांप्रदायिक आंदोलन में बदल गया, जिसका खमियाजा महीनों तक लोगों को भुगतना पड़ा। आज भी यह साजिश चल रही है, आज भी यह षड्यंत्र चल रहा है।... (**व्यवधान**)...

उपसभापति : बस, आपने अपना प्वाइंट कह दिया। आप बैठ जाइए। अबरार साहब, आप भी बैठ जाइए, आपने बोल दिया। अब गौतम साहब हाथ उठा रहे हैं, उनको बोलने दीजिए।

डा० अबरार अहमद खान : मैं इस संबंध में यह चाहूंगा कि इसका कोई सही तरीका निकले जिससे कि यह जो फलते हुए साम्प्रदायिक झगड़े हैं ये बंद हों।

उपसभापति : वही तो हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आप मौका ही नहीं दे रहे हैं।

डा० अबरार अहमद खां : मैं आपकी इजाजत से...

उपसभापति : मैं हल निकालने की कोशिश कर रही हूं। आप बैठें तो हल निकले।

डा० अबरार अहमद खां : मैं आधे मिनट में अपनी बात खत्म कर रहा हूं। जहां तक हल की बात है, सिकन्दर बख्त जी यहां बैठे हैं, दिन में आपके कमरे में उन्होंने जो कहा, इजाजत हो तो वह बात यहां कह दूं आपने जो हल बताया था। वाकई में अगर इस तरह का हल किया जाए तो राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद का हल निकल सकता है। इजाजत है। जब आपने यह सवाल पूछा कि किस तरह से यह हल निकल सकता है तो आपने जो बात कही, मैं उससे बहुत मुतासिर हूं। उन्होंने कहा कि जितने भी पालिटिश्यन्स हैं और पालिटिकल पार्टीज हैं, वे सभी

राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद के मसले से अलग हो जाएं और सिर्फ जो धर्म के दो-तीन लोग हैं उनको एक कमरे में बंद कर दिया जाए, 6 या 7 आदमियों को, यकीनन् तौर पर वह हल निकालकर बाहर निकलेंगे। यह बात सही है कि अगर सब पालिटिकल पार्टी और पालिटिकल वैस्टेड इंटरेस्ट लेने वालों को अलग कर दिया जाए तो इसका समाधान हो सकता है क्योंकि आज धर्म को लोगों ने राजनीति का हथकन्डा बना लिया है और इस तरह का हल अगर निकाला जाए तो मैं उसका स्वागत करता हूं। धन्यवाद।

उपसभापति : गौतम साहब को बोलने दीजिए, बड़ी देर से हाथ उठा रहे हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम :

बड़ी खुशनसीबी जो फरियाद सुन ली।
दुआ हम दें उनको या किस्मत को अपनी।

मोहतरमा नायब सदर, मैं आज इस सदन के मोअज़िज़ मैम्बरान का ख्याल उन हालात, वाक्यात और हकीकतों की तरफ ले जाना चाहता हूं जिनसे कि लोग महरूम रह रहे हैं।

मैं तो नया मैम्बर हूं, जज्बात में लोग क्या कर बैठते हैं, जज्बात में लोग कुएं में भी गिर जाते हैं मुझे तो यह भी नहीं मालूम था कि यहां पर कुआं भी है। मैंने यहां देखा कि जब जज्बात भड़कते हैं लोगों के तो लोग यहां नारेबाजी करते हैं। मैंने यह भी देखा कि जज्बात भड़कते हैं तो लोग आदमी का नाम भी अधूरा लेते हैं, मैंने यह सदन में देखा। मैंने तो एक कल्चर सीखा था डा. बाबा साहब अम्बेडकर के सानिध्य में और फिर अपनी पार्टी में, मैंने उस कल्चर का यहां हास होते हुए देखा। इसलिए देहातों व कस्बों के कम पढ़े-लिखे लोग जलूसों में, जलसों में, भीड़-भड़क्कों में या आते-जाते... **(व्यवधान)**...अगर भड़कीले नारे लगा देते हैं तो उनसे शिकायत किस बात की।

श्री सिकन्दर बख्त : मैं यहां माफी मांगना चाहता हूं क्योंकि आज यहां बेकल उत्साही साहब जिस दर्द के आलम में आकर बैठे थे, उसके बारे में मेरे साथी ने, मेरी पार्टी के साथी ने कुएं में गिर जाने की बात कही है।

उपसभापति : नहीं, नहीं उन्होंने तो उर्दू में तर्जुमा किया है। शिव शंकर जी ने उर्दू में बातचीत शुरू की इसलिए वह उर्दू बोल रहे हैं। उन्होंने "वैल" का तर्जुमा उर्दू में "कुआं" कह दिया।

श्री संघ प्रिय गौतम : जी। मैं अर्ज कर रहा था हुजूरे अनवर, ... **(व्यवधान)**...

एक माननीय सदस्य : बहुत खूब।

श्री संघ प्रिय गौतम : मैं तालिबे इल्म रहा हूं उर्दू का और अलिगेरियन हूं अहले इस्लाम से बाबस्ता रहा हूं। मोहतरमा, मैंने यहां बहुत कुछ देखा है। जज्बात में लोग वहां क्या कर जाते होंगे, अफसोस है उसका तज़करा हम यहां करते हैं। आज मुख्य मुद्दा है गौडा का और साम्प्रदायवाद का। इस देश में हर व्यक्ति किसी सम्प्रदाय में पैदा होता है और किसी जाति में पैदा होता है। जन्म से लेकर मृत्य और मृत्य के उपरान्त तक सारे संस्कार उस विशेष सम्प्रदाय में होते हैं और विशेष जाति में होते हैं। जिसमें वह पैदा होता है। इसलिए कर्म से, अमल से, व्यवहार से, विचार से हर व्यक्ति का कहीं न कहीं, किसी न किसी जाति का सम्प्रदाय से संबंध है।

काजल की कोठरी में कैसो हू, सयानो जाए,

एक लीक काजल की लागे है पे लागे है।

[श्री संघ प्रिय गौतम]

और असर होता है उसका। साम्प्रदायिक दंगे यहां मुद्दत से हो रहे हैं, जातीय दंगे यहां मुद्दत से हो रहे हैं। कश्मीर, पंजाब, राम जन्म भूमि, बाबरी मस्जिद की समस्या आज की नहीं है यह मुद्दत से है। किसी का नाम लिये बगैर मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर यहां पर पौलिटिकल विल हुकमरान की रही होती तो यह मसले कभी के हल हो गए होते। पार्लियामेंट में जो आज रिजोल्यूशन लाया जा रहा है, यह (कांग्रेसी) जब पूर्ण तिहाई बहुमत में थे यह भी रिजोल्यूशन इसे तय कर सकते थे बाबरी मस्जिद राम जन्म भूमि को। जिस दिन यह (जनता दल) पावर में आये और यह जानते थे कि इतना बड़ा मसला है यह भी इसे तय कर सकते थे। लेकिन पौलिटिकल विल इन लोगों की इन मसलों का हल करने में नहीं रही। हुआ यह कि आजादी से पहले जातिवाद और सम्प्रदायवाद केवल संस्कारों तक सीमित था लेकिन आजादी के बाद यह राजनीति में प्रवेश कर गया। मैडम, आज मैं क्षमा चाहूंगा चाहे मेरा टाईम आगे मुझे मत देना मगर आज मुझे अपने मन की बात कह लेने दीजिये क्योंकि मैं खुद बहुत दुखी हूं इन साम्प्रदायिकताओं से।... (व्यवधान) मैं आपसे अर्ज करना चाहूंगा कि यहां कोई पौलिटिकल विल नहीं रही। जो राजनैतिक लोग आजादी की लड़ाई का तमगा जीतकर आये थे उन्होंने भी और जो बहुमत में थे उन्होंने भी चुनावों के दौरान जिन इलाकों में जिन बिरादरी और सम्प्रदाय की तादाद ज्यादा है उसी बिरादरी और सम्प्रदाय के आदमी को टिकट दिया। लोगों को जाति-बिरादरी, सम्प्रदाय के नाम पर तरक्की दी, तनुज्जली दी, तमगे दिये और इस सम्प्रदायवाद, जातिवाद को बढ़ावा यहां के हुकमरान ने दिया। किसने दिया? जो सत्ता में थे, चाहे केन्द्र की सत्ता में थे, चाहे सूबे की सत्ता में थे। उत्तर प्रदेश की सरकार को किसने रोक लिया था, तुम्हारा पूर्ण बहुमत है। आप कोई फैसला ले सकते थे राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद के ऊपर, परन्तु कोई फैसला नहीं लिया। कहा गया कि मामला अदालत में विचाराधीन है। तो फिर यह बात क्यों कही गयी कि लोगों के साथ सलाह मशवरा किया जा रहा है और आपसी वार्तालाप से मसले को हल किया जा रहा है और फिर अदालत पर क्यों जोर नहीं डाला गया मुकदमा जल्दी तय करने का इतिहास का एक मजाक देखिये, 49 साल से यह मामला अदालत में पेंडिंग है, कोई हद है। इतने दिन में कहीं मुकदमे तय होते हैं और एक पक्षकार ने तो तंग आ करके अपना मुकदमा वापिस ले लिया और दुखी होकर कहा कि जीवन में न्याय नहीं मिला और यह मामला तय नहीं हुआ तो मुकदमा लड़के क्या करेगा। लोग कहते हैं कि हम (बी.जे.पी.) अदालत का निर्णय नहीं मानेंगे। जिंदगी भर जो लोग कानून की रक्षा करते रहे हैं वह अदालत का फैसला क्यों नहीं मानेंगे। फैसला तो आपने नहीं माना शाहबानो का मामला और उसमें सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोगों ने नहीं माना और रद्द किया। जो शीशे के महलों में रह रहे हैं वह उन पर पत्थर मार रहे हैं जिनके ईटों के महल बने हुये हैं। जरा गिरेबान में हाथ डालकर देखें, हमने केवल यह कहा कि यह मसला कोर्ट से तय नहीं होना चाहिये और इसे आपसी वार्तालाप से तय करना चाहिये। आज भी हम इसके लिये तैयार हैं। जहां तक देश के साम्प्रदायिक झगड़ों का सवाल है पहले कितने झगड़े हुये। यू.पी. में 1036 रामज्योति यात्राएं निकली हैं मगर एक भी झगड़ा नहीं हुआ, आज तक अखबार में भी नहीं आया। अडवाणी जी का रथ जिस दिन से निकला है और जिन जगहों से गुजरा है ...(व्यवधान) वहां एक भी झगड़ा नहीं हुआ और अडवाणी जी ने तो कोई ऐसा बयान नहीं दिया जिससे झगड़ा पैदा हो। दरअसल जिस बात से लोगों को भय है, इनको डर है वह यह है कि लाखों आदमी इकट्ठे हो रहे हैं उनके स्वागत के लिये ...

(व्यवधान)

Since morning I have been sitting here and raising my hand to draw the attention of the Chair. Now, I got a chance to speak kindly don't interrupt me. I did not interrupt anybody.

सो मैडम, आज मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि आज ही यह क्यों आरोप लगाया जा रहा है और कहा जा रहा है कि अडवाणी जी रथ यात्रा रोक लें। रथ यात्रा से अगर झगड़ा हो रहा है तो मैं अपनी पार्टी के नेताओं से हाथ जोड़कर क्षमा मांगते हुये एक बात कहना चाहूंगा कि अगर आप इस बात की गारंटी लें कि कल आप इस मसले को तय कर लेंगे और इसके बाद कोई कौमी झगड़ा नहीं होगा तो मैं अपने नेताओं से हाथ जोड़कर विनती कर लूंगा कि वह फैसला वापिस ले लें और रथ यात्रा रद्द कर दें। इसके बाद कौमी दंगा नहीं होगा तो मैं अपने नेताओं से हाथ जोड़कर विनती करूंगा कि वह रथ यात्रा वापस लें। आप यह वादा दें, कोई इस बात की गारंटी तो करे। लेकिन आज तक किसी पोलिटिकल पार्टी ने अपना कोई स्पष्ट रूख इस बारे में प्रकट नहीं किया है। हम जैसे भी है, कम से कम हमने इस बारे में अपना रुख तो स्पष्ट किया है कि हम राम मन्दिर के समर्थक हैं लेकिन मस्जिद तोड़ने की बात हमने कभी नहीं कही। हमने यह स्पष्ट कहा है कि राम जन्म भूमि हिन्दुओं को सौंप देनी चाहिए। इसलिए मैं आज सदन के सभी सदस्यों से हाथ जोड़कर प्रार्थना करूंगा कि आप अगर ईमानदारी से इंट्रस्टेड हैं कि संप्रदायवाद खत्म हो तो So come with clean hands and with clear hearts and let there be an amicable solution. We are ready for that. Thank you very much.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, there are many people who are still raising their hands at the fag-end of the day. This being the last day, I will not hurt their feelings. I do not mind if anybody wants to speak but I want the opinion of the House as to what they want really. Would they want at the end of discussion which has spread over a couple of hours that we should come with a resolution? (*Interruption*). Once the resolution is taken up, nobody will speak. The matter will be closed because there should be proper and to anything. We do not want to make mockery of it. (*Interruption*)

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Madam, I want to make one point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Would you like to speak?

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: No. I do not want to speak. I have one thing to say, Madam. In this Session, something strange has been seen. The unlisted business has dominated the business of the House and this rambling discussion, inconclusive discussion, is the inevitable outcome of such a situation.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I agree with you. (*Interruption*).

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: There will be a grand finale of the 155th Session of the Rajya Sabha just setting the precedent that the order paper for the House is meaningless. That is thrown into the background and something else is taken up. (*Interruption*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bhattacharjee, I can understand your sentiments. I had called you to speak on Punjab but you withdrew your name. It is not for the first time that such a situation has arisen. There was a strong sentiment in the House about the communal situation. The Chair does everything with the consent of the House and you are a Member of the House. If you had any objection, you could have raised it. You are raising it at the fag-end of the day

[The Deputy Chairman]

(*Interruption*). I am still allowing you to speak. (*Interruptions*). If you still want to speak on any subject, you can. I have no objection because I do not want to close the Session with even one Member feeling that he was not given an opportunity by the Chair. I donot want it. I have no other work. I have only the consent of the Members who are there to discuss this matter. You can tell the rest of the Members and not the Chair. So any comment you make, please address it to the House and not to the Chair (*Interruptions*).

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Madam, my sentiments are no less strong but there are certain laid-down procedures. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know. But why didn't you raise the laid-down procedures in the morning? See, the situation is serious. (*Interruptions*). I have before me a resolution which has come and I will read it out. If every Member of this House agrees with it, we will unanimously pass it. (*Interruptions*).

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Madam, I have been requesting you since morning.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay, what do you want to say? I have given my word that no Member should go from this House with the feeling that he or she was not allowed. So please allow him to speak. (*Interruptions*).....

SHRI CHATURANAN MISHRA: He has already spoken in the morning; He should not be given a chance in the evening.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please don't go into the technicalities. Let him speak.

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Madam, the hon. Member, Shri Gopalsamy, has aptly put the situation in the country that we are sitting on a volcano. Emotions have been aroused and if however a confrontation takes place, that will be detrimental to our country and the damage that will be done cannot be repaired at all. A situation like this was there when communal passions were aroused and the people were made to go and fight on the streets during the days of communal divide in this country which resulted in the formation of Pakistan. A similar situation was there but during those days we had Mahatma Gandhi and a united national movement to resist and at the same time to build up the unity of the people of our country. Now the political atmosphere is such where the parties are fragmented and there is no united will to fight back the forces of reaction. That is why I want to state certain things. Therefore, the Opposition has got a great role to play in joining with the nationalistic forces, democratic forces and secular forces to build up a strong united front so that these forces of the vested interests, the communal divide, can be defeated. This is the most urgent task that is before Members of Parliament as well as our country-men. But if one does not apply oneself to this kind of an understanding and logic, especially the Opposition Parties, you can imagine what will happen. Mr. Shiv Shanker very well knows that N.T. Rama Rao is a secular democratic force and he has built up a movement to stand for secularism, democracy and strengthening the federalism and the forces which are fighting for autonomy and greater responsibilities and rights of the States. Such a personality unnecessarily has been dragged into the House and on something which has already been denied. That has been made the main thrust of an argument which is absolutely not in keeping with the tradition of the Opposition which wants to build up a solid united

force so as to resist these vested interests and divisive forces. I want to tell you what happened in Hyderabad and Secunderabad. For years there used to be communal riots and Hyderabad and Secunderbad used to be under curfew for long spells. Since the Telugu Desam Government came into power, from that time onwards till now there was not even one communal riot in Hyderabad and Secunderabad. Is it enough proof to show that my party stands for communal peace very firmly and building up communal peace is one of our main duties? That is what we realise. That is why I make this appeal to all the Members of the House. I had been to Ayodhya as soon as the last session was over. It is a very poor town with thirty to thirtyfive thousand population. There is no sanitation at all. Everywhere there is garbage. There are about five thousand temples, uncared for by anybody, five thousand temples not cared for by anybody. There is not even a regular puja in anyone of these temples. On one side Ram temples are being treated like that and on the other side we are trying to build up an imaginary issue and inflame the entire situation. That is why I request sanity to prevail. If we are the inheritors of the freedom movement, if we are the inheritors of the glorious tradition that has been set up by Mahatma Gandhi, Abul Kalam Azad and Jawaharlal Nehru, we must rethink that from today onwards let us build up a common unity front against the divisive and communal forces which will disrupt the country's unity and which will, more or less, dismember the entire country. I agree with Mr. Gopalsamy when he talked about balkanisation of the country. That is why all the patriotic forces must be united and this House must appeal to the entire country to see that communal peace is not disturbed and that the unity, integrity, secularism and democracy is defended all over the country.

THE DEPUTY CHAIRMAN: "In view of the communal tensions rising high and clashes taking place in some parts of the country, this House appeals to all the political parties and religious organisations and all sections of people to act in a manner which will preserve and promote communal harmony and amity at all costs."

If every Member unanimously passes this resolution which is moved from the Chair...

HON. MEMBERS: Yes, yes, unanimously.

THE DEPUTY CHAIRMAN:... We will say that the time spent on this discussion was not wasted, it was well-spent.

So the resolution is passed unanimously.

Thank you very much for that. [illegible]hat matter is closed. Shall we [illegible]rn the House?

SHRI R. K. DHAWAN (Andhra Pradesh): I want to draw your attention to the promises made by the Finance Minister...

SOME HON. MEMBERS: What about our special mentions?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Special mentions? We have got so many of them, ten or fifteen...

श्री आर० के० धवन : फाइनेंस मिनिस्टर ने लास्ट सैशन में प्रोमिज किया था वह जरूर कहना चाहता हूं..

उपसभापति : फाइनेंस मिनिस्टर यहां नहीं हैं।

SHRI SUKOMAL SEN: I have objection. When listed special mentions are there, how can you allow him?

SHRI M. M. JACOB: This is the last day of the Session and therefore....

SHRI SUKOMAL SEN: What of that? What about those Members who have given notices of special mentions which are listed?

SHRI R. K. DHAWAN: I just want to draw your attention to the promises made by the Finance Minister.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Under what rules are you allowing him?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Is it a point of order or is it a point of information?

SHRI R. K. DHAWAN: I will not take much time. I had raised it in last Session....

SHRI SUKOMAL SEN: How can you allow him without taking up the special mentions first?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not even heard what he wanted to say. Only when he says something can I say whether it is something within the rules or not. I don't know the matter.

SHRI R. K. DHAWAN: As this august House knows, the Finance Minister made a statement on the floor of the House last month on the issue of refund of excise and customs duty...

SHRI V. GOPALSAMY: I am on a point of order. (*Interruptions*) Just now you were kind enough to say that you did not want to hurt anybody's feelings today being the last day of the Session. Many Members have been waiting since yesterday to make their special mentions. But now an honourable Member stands up and he wants to rake up a new issue, already ther is a listed business. My name is also there....(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Why do you all interrupt like this? Are you all in the Chair? He is rising on a point of order. I am competent to deal with it. If I am not competent, then I will ask you to deal with it some day. But at least just now I can deal with it ....(*Interruptions*) .

SHRI V. GOPALSAMY: Madam, I do not object to this raising any issue. But we have been waiting here for making our Special Mentions and my name also is there in the list.... (*Interruptions*)...I have been waiting since morning.

SHRI R. K. DHAWAN: I have been waiting since the last Session. You say you are waiting since morning. I have been waiting here since the last Session. We have been waiting here since the last Session. I have been waiting for a reply since the last Session itself...(*Interruptions*)...

SHRI V. GOPALSAMY: If you have been waiting since the last Session, then that matter is over. It has no relevance now...(*Interruptions*)...

SHRI R. K. DHAWAN: You have been waiting only since morning. I am waiting since the last Session.... (*Interruptions*)...

SHRI V. GOPALSAMY: What was spoken during the last Session or during last year has no relevance now ...(*Interruptions*)...Can a matter which was raised during the last Session have precedents over the matter raised now ....(*Interruptions*).....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, on a point of order...(*Interruptions*)...According to the List of Business...(*Interruptions*)...

SHRI V. NARAYANSAMY: Mr. Gurudas Das Gupta, do not talk of the List of Busines. You know what we have been discusing since morning. Was it there in the List?...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Actually, I want to make the things clear. What we discussed today was not an unlisted business. This I am mentioning for the information of the House. There were many Special Mentions and there was even a Calling Attention Motion pending before the Chairman he had yesterday permitted Mr. Ram Naresh Yadav to take up the issue of communal riots in Gonda and today, that was the spill-over. Now, I want to bring to the notice of Prof. Bhattacharjee that it was a listed business and it was part of the Special Mentions. The point is that temspers were so high that everybody wanted to speak on that and that Special Mention became the Mention of the whole House. That is the point.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: In that case, we should have been notified.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You were notified.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: No. Further, there was the discussion on the Mandal Commission Report to be continued.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We would have finished it. But these technicalities have been raised. Mr. Dhawan says that he had raised this matter of Excise and Customs Duty refusd during the last Session,...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: On a point of order, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN::...and if, as he says, the Minister had given him an assurance, then I will reuest him to take it up with the Assurances Committee. I would have done that in one minute and nobody could object to it. I would have finished it in one minute...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I have no objection, Madam ....(*Interruptions*).... I have no objection. But my point is that Mr. Dhawan says that he had raised an issue which he considers to be a matter of public importance. Similarly, I have no objection if somebody else raises a matter of public importance. But the point is that the business of the House is transacted according to certain rules and according to certain principles. If Madam, in your wisdom...(*Interruption*)...you think that a matter should be raised like this and should get precedence over the Special Mentions, for which we have been waiting for the last few days, you can permit.... (*Interruptions*)...

THE DEDPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Let me deal with it. Let us not go with that kind of a feeling. ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: But, Madam, I have the greatest confidence in you, in the Chair and in all the Presiding Officers. You can permit a Member to raise any issue in this House. But my point is that there are 16 or 17 Special Mentions which are pending and, after the disposal of all those Special Mentions, let the matter of public importance raised by Mr. Dhawan be taen up.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. O.K. I will ask Mr. Dhawan like that. Let the Special Mentions be over, Mr. Dhawan, and I will give you permission to speak then...(*Interruptions*)...Let the Special Mentions be over.

SHRI R. K. DHAWAN: I will finish in a minute, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the Members feel that they have been waiting and they have not been permitted, what can be done? I know that many things could have been finished so soon. But tensions have been created and there have been certain sentiments expressed. Yes, Dr. Abrar Ahmed, you want to speak or you want to withdraw?

डा० अबरार अहमद खान: मैडम, आज से 11 महीने पहले जो हमारे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि थी, जो अंतरराष्ट्रीय ख्याति थी, आज यदि हम देखें तो वह काफी धूमिल हो चुकी है। महोदया, आज से 11 माह पूर्व जब हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी थे, उस समय यदि कहीं भी विश्व के अंदर इस प्रकार की घटनायें....

उपसभापति: छोटा भाषण करिये। 5.45 बज गये हैं, पुरानी हिस्ट्री न बोलें। आप पूछ लें कि कुवैत वालों का क्या होगा और खत्म करिये।

I don't know. You just don't get tired of asking things There are other people *also. Do not make* a speech. You ask what happened to the Kuwait people and *finish*.

डा० अबरार अहमद खान: दुख और चिंता की बात यह है कि हमारे देश की जो ख्याति थी, अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में वह इतनी कम हो चुकी है, इतनी क्षीण हो चुकी है, वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण, वर्तमान सरकार की पालिसियों के कारण कि अभी जब खाड़ी क्षेत्र के अंदर ईराक और कुवैत का झगड़ा पड़ा तो उसमें भारत का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ और अमेरिका और सुरक्षा परिषद ने भारत से बिना कंसल्ट किये हुए जिस तरह की पाबंदियां लगाई, और जिसके कारण हमें बहुत नुकसान हुआ वह वास्तव में बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। महोदया मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि वर्ल्ड बैंक और आई.एम.एफ. का जो अनेलेसिस है उसके अनुसार हमारी जो ग्रोथ रेट है....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will not allow you this. Your Special Mention is about the plight of Indians stranded in Kuwait. Please confine yourself to that only, because there are many people waiting. You cannot speak about the growth rate. No, I won't permit you. You speak about Kuwait, *not the economic situation in* the world.

डा० अबरार अहमद खान: मैं खत्म कर दूंगा।

उपसभापति: नहीं, नहीं दूसरे लोग भी हैं। I cannot allow this. You speak on Kuwait. That's all Your Special Mention is about the plight of Indians stranded in Kuwait. Please confine to that. I am going to be strict about that. Talk about the Indians who are in Kuwait. That's all. Ask the Government, what is the condition of these people?

डा० अबरार अहमद खान: मैडम, मैं कुवैत पर ही बोल रहा हूं।

उपसभापति: आप एकानामिक *सिचुयेशन के बारे में मत बोलिये।*

डा० अबरार अहमद खान: आई०एम०एफ० और वर्ल्ड बैंक ने जो अनालेसिस किया है उसके अनुसार जो हमारी ग्रोथ रेट है...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Speak on the subject, please. Don't argue. Otherwise I won't permit.

डा० अबरार अहमद खान: मैडम, मैं तीन मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा।

उपसभापति: तीन मिनट नहीं। सब्जेक्ट पर बोलिये तो दस मिनट तक बोलिए। लेकिन इस तरह में अलाऊ नहीं करूंगी।

डा० अबरार अहमद खान: माननीय उपसभापति महोदया, एक ही बात है कि जो भारतीय वहां हैं उनके लिये मैं अपनी चिंता व्यक्त करता हूं और मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिये फौरन जो भी कदम उठा सकती, वह उठाये। धन्यवाद।

PROF. CHANDRESH P. THAKUR (Bihar): I associate myself with this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Sunil Basu Ray.